संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 209
पृष्ठ 8
रविवार
20 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के...   विचार- सुप्रीम कोर्ट का फैसला केरल के लिए...   खेल- चहल आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों...

कम तेल सेवन से... बड़ा बदलाव

विश्व यकृत दिवस पर प्रधानमंत्री ने की सेहतमंद भारत बनाने की अपील

नई दिल्ली,संवाददाता। आज वर्ल्ड लिवर डे के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और ध्यानपूर्वक खाना खाने की अपील की। पीएम मोदी ने लोगों को मोटापे की समस्या के प्रति भी जागरुक किया। दरअसल वर्ल्ड लिवर डे (विश्व यकृत दिवस) के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक मुहिम शुरू की है, जिसमें लोगों से अपने खाने में 10 प्रतिशत तेल कम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे लेकर सोशल मीडिया पोस्ट किया, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रतिक्रिया दी। नड्डा ने लिखा कि छोटे कदम बड़ा बदलाव ला सकते हैं अगर हम खाने को दवाई की तरह खाएं। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के बाद मोटापे को लेकर भी जागरूकता बढ़ाई जा रही है क्योंकि मोटापे का समाज पर गहरा असर पड़ रहा है।श नड्डा के ट्वीट पर पीएम मोदी ने लिखा कि वर्ल्ड लिवर डे मनाने का यह अच्छा तरीका है। हम मोटापे के खिलाफ जागरूकता लाकर एक स्वस्थ्य भारत बना सकते हैं।

पीएम मोदी ने इससे पहले फरवरी में भी मोटापे के प्रति लोगों को जागरूक किया था और उन्होंने इस बारे में और जागरूकता फैलाने के लिए 10 लोगों को नामित किया था। जिन लोगों को नामित किया गया था, उनमें महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा, आजमगढ़ से पूर्व भाजपा सांसद और भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ, एथलीट मनु भाकर, एथलीट मीराबाई चानू, मलयालम फिल्मों के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल, इंफोसिस के सह–संस्थापक नंदन नीलेकणि, जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, हिंदी और तमिल फिल्मों के अभिनेता आर. माधवन, प्रसिद्ध पार्श्व गायिका श्रेया घोषाल और इंफोसिस की संस्थापक और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति इसमें शामिल हैं।

लिवर शरीर का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है जो मेटाबोलिज्म को ठीक रखने, विषैले पदार्थों को बाहर निकालने, पाचन और कई अन्य कार्यों में अहम भूमिका निभाता है। हर साल 19 अप्रैल को विश्व लिवर दिवस मनाया जाता है ताकि लोगों को लिवर की सेहत के प्रति जागरूक किया जा सके।

वंचितों की भागीदारी सुनिश्चित होने तक न्याय अधूरा- राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि जब तक वंचित और पीड़ित वर्ग की भागीदारी तय नहीं होगी तब तक न्याय सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है। श्री गांधी ने कहा "जब तक वंचित वर्गों की असल हिस्सेदारी और भागीदारी सुनिश्चित नहीं होगी–न्याय अधूरा रहेगा।" उन्होंने कहा "अगर आप महिला, दलित, महादलित, पिछड़े, अति पिछड़े, पसमांदा, इडब्लूएस या अल्पसंख्यक वर्ग से हैं, या इन वर्गों का नेतृत्व करते हैं– तो हमारे 'संविधान लीडरशिप प्रोग्राम' से जुड़ें अपने अधिकारों की रक्षा, जाति जनगणना से सामाजिक न्याय और अपनी भागीदारी की लड़ाई को मजबूत करने के लिए साथ आएं।" कांग्रेस नेता ने इस अभियान से जुड़ने का सबसे आवाहन किया और कहा कि यह वक्त है एकजुट होकर मजबूती से आवाज उठाने का। अभियान से जुड़ने के लिए पर मिस्ड कॉल दें।

मैं एलोपैथिक दवा और इंसुलिन मुक्त हूं

स्वास्थ्य को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने दी जरूरी सलाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने पर्याप्त नींद लेने, अपने खान–पान पर ध्यान देने और नियमित व्यायाम करके अपने स्वास्थ्य और काम करने की क्षमता में सुधार किया है। विश्व लिवर दिवस पर आईएलबीएस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मई 2020 से लेकर आज तक मैंने अपने जीवन में बहुत बड़ा बदलाव किया है। जरूरी मात्रा में नींद, पानी और आहार और नियमित व्यायाम ने मुझे बहुत कुछ दिया है। आज मैं आपके सामने किसी भी तरह की एलोपैथिक दवा और इंसुलिन से मुक्त होकर खड़ा हूँ।

अमित शाह ने कहा कि देश के युवाओं को अभी 40–50 साल और जीना है और देश की तरक्की में अपना योगदान देना है। मैं उनसे अनुरोध करता हूँ कि वे अपने शरीर के लिए दो घंटे व्यायाम करें और अपने मस्तिष्क के लिए छह घंटे की नींद लें। यह बहुत उपयोगी होगा। यह मेरा अपना अनुभव है। मैं आज यहाँ इस अनुभव को साझा करने आया हूँ। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, मई 2019 से लेकर अब तक मैंने बहुत बड़ा बदलाव हासिल किया है। सही मात्रा में नींद, शुद्ध पानी, भोजन और व्यायाम करके मैंने जीवन में बहुत कुछ हासिल किया है। पिछले 4.5 सालों में मैं सभी एलोपैथिक दवाओं से मुक्त हो गया हूँ।

शाह ने कहा कि इससे उनकी काम करने, सोचने और निर्णय लेने की क्षमता में सुधार हुआ है। मंत्री ने आईएलबीएस में एकीकृत यकृत पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया और संस्थान में यकृत स्वास्थ्य की थीम पर आयोजित कार्टून गैलरी का भी दौरा किया। शाह ने हल्के–फुल्के अंदाज में कहा, ष्मुझे कार्टून पसंद हैं, जिनमें मुझ पर आधारित कार्टून भी शामिल हैं।

मोदी दो दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब जाएंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर 22–23 अप्रैल को दो दिवसीय सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2016 और 2019 के बाद प्रधानमंत्री की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा होगी। यह यात्रा सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री की सितंबर 2023 में जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने और भारत–सऊदी अरब रणनीतिक साझीदारी परिषद की पहली बैठक की सह–अध्यक्षता के लिए नई दिल्ली की राजकीय यात्रा के बाद की गई है। रियाद में प्रधानमंत्री श्री मोदी और प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर नये समझौते होने की संभावना है। इसके अलावा दोनों नेता क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार–विमर्श करेंगे जिनमें इजरायल फिलिस्तीन संघर्ष और भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरीडोर (आईमैक) को आगे बढ़ाने के मुद्दे शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सऊदी अरब के सामाजिक–सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्कों के लंबे इतिहास के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।

सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत

जमुई। बिहार में जमुई जिले लछुआर थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गयी तथा एक अन्य घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि कार पर सवार लोग जमुई शहर से अलीगंज प्रखंड के बेटवा गांव में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। जमुई लौटने के दौरान कार चालक को झपकी आ गई और कार महना पुलिया के समीप पेड़ से टकरा गई। इस घटना में तीन युवकों की मौत हो गयी तथा एक अन्य घायल हो गया। सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान बाबू गुप्ता,रिशु सिन्हा, और विक्रम कुमार के रूप में की गयी है। इस घटना में रोहित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जमुई रेफरल अस्पताल भेजा गया है।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पूर्वोत्तर को लेकर बंगलादेश की टिप्पणी निंदनीय- खरगे

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बंगलादेश में हिंदुओं के बड़े नेता भाबेश चंद्र राय की निर्मम हत्या और पूर्वोत्तर को लेकर बंगलादेश के मुख्य सलाहकार की टिप्पणी को निराशाजनक बताते हुए कहा है कि वहां अल्पसंख्यकों पर जारी हमलों से साफ है कि दोनों मुल्कों के बीच हुई बातचीत विफल रही है। श्री खरगे ने शनिवार को कहा कि श्री मोदी और बंगलादेश के मुख्य सलाहकार की भले ही मुस्कुराते हुए फोटो सामने आई हो लेकिन सच यह है कि यह बातचीत विफल रही है। बंगलादेश में बड़े स्तर पर अल्पसंख्यक हिंदू मारे जा रहे हैं लेकिन कोई सकारात्मक पहल कहीं से नजर नहीं आ रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "बंगलादेश में लगातार धार्मिक अल्पसंख्यकों खघसकर हमारे हिंदू भाई–बहनों पर अत्याचार हो रहा है। हिन्दू समुदाय के एक बड़े नेता श्री भाबेश चंद्र रॉय की क्रूरतापूर्ण हत्या इस बात का सबूत है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बंगलादेश के मुख्य सलाहकार के साथ मुस्कुराने वाली बैठक विफल रही।" उन्होंने कहा, "संसद में दिए गए भारत सरकार के उत्तर के अनुसार इससे पहले दो महीनों में ही हिन्दुओं पर 76 हमले हुए जिसमें 23 हिन्दू मारे गए। अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर भी हमले जारी हैं। हाल ही में बंगलादेश के मुख्य सलाहकार ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बारे में एक बेहद निंदनीय और निराशजनक टिप्पणी की थी।" श्री खरगे ने कहा, "बंगलादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार, मानवाधिकार हनन और 1971 के मुक्ति संग्राम की स्मृतियों को जो खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है, वो भारत व बंगलादेश के रिश्तों को कमजोर करने की कोशिश है।

सीएम योगी ने राणा सांगा को लेकर सपा पर बोला करारा हमला–

ये लोग जिन्ना का महिमंडन करते हैं

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीमराव आंबेडकर ने अभाव अपमान में अपना रास्ता बनाकर सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए सम्मान दिलाया। विपक्ष के लोग एक्पोज न हो इसके लिए जाति के नाम पर फिर से लड़ाना चाहते हैं। इसके लिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारत ने संविधान निर्माण के साथ ही 1952 में अनुसूचित जाति जनजाति अति पिछड़ी जाति और महिलाओं को मत देने का अधिकार दिया। यह बाबा साहेब के कारण ही हो पाया। सीएम डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता का संदेश देने वाला भारत का संविधान बाबा साहेब ने दिया। यह प्रत्येक नागरिक को सम्मान देता है। सीएम ने कहा आखिर वो कौन से कारण थे जिनके कारण बाबा साहेब पीड़ित थे। बाबा साहेब ने संविधान तैयार किया,लेकिन कांग्रेस ने उसमें संशोधन किए। इससे बाबा साहेब परेशान हुए। कांग्रेस उनको संविधान सभा में नहीं भेजना चाहती थी। लेकिन उनकी लोकप्रियता के कारण उन्हें शामिल किया गया और ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष बने। लेकिन बाबा साहेब ने ऐसा संविधान दिया जो भारत को दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित करता है।

समाजवादी पार्टी ने अपने गठन के बाद षडयंत्र किए जिसके कारण समाज में अराजकता पैदा हो। कांग्रेस ने तो 1952 के पहले आम चुनाव में बाबा साहेब को हरवाया था। उनके 78 हजार वोट को रद्द करवा दिया। 1954 के उपचुनाव में कांग्रेस ने बाबा साहेब के निजी सचिव को तोड़कर चुनाव लड़वा दिया। इसमें भी वह हार गए। आज कांग्रेस के नेतृत्व करने वाले राहुल गांधी को संविधान की प्रति लेकर घूमता देखता हु तो लगता है यही कांग्रेस थी जो उनका विरोध करती थी। अपने 65 वर्षों में बाबा साहेब ने जो कर दिया वो और कोई नहीं कर पाया। कांग्रेस ने ज्यादातर समय यूपी और देश में शासन किया लेकिन एक भी स्मारक नहीं बनाया। इंग्लैंड के जिस भवन में रहकर बाबा साहेब ने डिग्री ली थी उसे वहां की सरकार बेच रही थी। मोदी सरकार ने उसे लेकर स्मारक बनाया। बाबा साहेब के पांच तीर्थ बनने में सपा, कांग्रेस या आरजेडी किसी का योगदान नहीं है। 26 नवंबर को संविधान दिवस के नाम से मनाया जाता है।

बाबा साहेब के नाम पर भाषण देने वाले अनेक आएंगे लेकिन उनके आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा है। उन्होंने कहा था अपने अनुयायियों से की शिक्षित बनो, अन्याय के खिलाफ संगठित रहो। हैदराबाद में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा था लेकिन बाबा साहेब ने पत्र लिख कहा था कि निजाम के सामने झुकना नहीं, किसी भी हाल में इस्लाम को न स्वीकारना।

कुशीनगर में मुसहर जाति के लोग भूख से मरते थे, कोई ध्यान नहीं देता था। पीएम स्वामित्व योजना में यूपी में एक करोड़ लोगों को जमीन के पट्टे आवंटित कर दिए। ये काम सपा, बसपा और कांग्रेस ने क्यों नहीं किया। संसद के तौर पर जब कुशीनगर में मुसहर जाति के लोगों के पास गया तब पता चला कि उनके राशन कार्ड सपा के पदाधिकारियों के पास थे। वो गरीबों का राशन उठते थे। डबल इंजन की सरकार जीरो पावर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रही है। 2017 के पहले यूपी में लोगों को राशन क्यों नहीं मिल पाता था। इंसेफलाइटिस को पूरी तरह समाप्त किया जा चुका है।

तेजस्वी यादव का नीतीश सरकार पर बड़ा आरोप, कहा–

सरकारी खजाने को लूट रहे सत्ता में बैठे लोग

पटना। बिहार में इंडिया गठबंधन के समन्वय समिति के अध्यक्ष व राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने फिर से नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। राजद कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा किसत्ता में बैठे लोग समझ चुके हैं कि वह फिर से सरकार में नहीं आएंगे और इसलिए वह सरकारी खजाने को लूट रहे हैं। एनडीए सरकार में संगठित भ्रष्टाचार सभी रिकॉर्ड तोड़ चुका है। जनता घूसखोरी और दलाली से त्रस्त हो चुकी है।

तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार के महिला संवाद अभियान पर भी सवाल उठा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता दल यूनाईटेड बिहार सरकार के पैसों से चुनाव प्रचार कर रही है। तेजस्वी ने दावा किया कि महिला संवाद के नाम पर राज्य में बड़ा भ्रष्टाचार हो रहा है। 225 करोड़ रुपये में प्रचार के लिए 600 चुनावी रथ मंगवाए गए हैं। ठेकेदार के जरिए मंत्री को 30 फीसदी कमीशन दिया जा रहा है।तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के खर्च के लिए कई टेंडर निकाले जा रहे हैं। यानी अब यह लोग चुनाव का खर्च भी जनता से ही निकाल रहे हैं। यहां के बिहार के ठेकेदारों को कोई टेंडर नहीं दिया जा रहा है। ग्लोबल टेंडर के जरिए इनसे पैसा वसूला जा रहा है। सरकार बाहरी लोगों को टेंडर दे रही है। वह ऐसा जल्दबाजी में कमीशन पाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

ऋग्वैदिक पवित्र नदी सरस्वती की विज्ञान सम्मत शोध यात्रा प्रयाग परिक्षेत्र में

(डॉ युधिष्ठिर योगक्षेम)

प्रयागराज। ऋग्वेद में वर्णित सरस्वती नदी को भारतीय नदी संस्कृति में अन्तः सलिला भी कहा गया है। कभी पत्यक्ष रूप से भारत भूमि को पवित्र करने वाली यह नदी आज अप्रत्यक्ष रूप से हजारों कि.मी. तक पृथ्वी के अन्दर अन्दर प्रवहमान है। देश के विविध प्रदेशों में स्रोतों के रूप में निःसृत जल तथा भूगर्भीय परीक्षणों से प्राप्त निकष सरस्वती नदी के उद्गम स्थल के जल संस्कृति से साम्यता के कारण सरस्वती के अन्तः सलिला यात्रा के प्रवाह को वैज्ञानिक पुष्टता प्रदान कर रहे हैं।

ज्ञातव्य है कि नासा और इससे द्वारा प्रकाशित सरस्वती नदी के यात्रापथ पुराप्रणाली (व्संमव बेंददमस) के रासायनिक विश्लेषण से प्राप्त तथ्य उत्तराखण्ड के बद्रीनाथ के समीप प्रवहमान सरस्वती नदी के जल को प्राचीन सरस्वती नदी का मौलिक स्वरूप मानते हैं। डायग्नोसिस की आधुनिक प्रक्रिया पर आधारित इस खोज के परिणाम को वैश्विक संस्थानों ने प्रमाणिक माना है। देश के अन्य प्रदेशों / अंचलों में सरस्वती नदी के अन्तः यात्रा पथ में स्रोतों के रूप में प्राप्त जल का आधुनिक रासायनिक परीक्षण का आधार वर्तमान में उत्तराखण्ड के बद्रीनाथ में प्राप्त सरस्वती नदी के जल कल्चर से उसकी साम्यता है। इसीलिए वैज्ञानिक निष्कर्ष उसे सरस्वती नदी का जल मान रहे हैं।

सरस्वती पीठम् द्वारा गत कई वर्षों से प्रयाग के आस–पास के 120 किलोमीटर के ससुरखदेरी नदी के भूभाग का वैज्ञानिक, पुरातात्विक परीक्षण वैदिक व पौराणिक प्रमाणों व लोकमत के आधार पर किया जा रहा है। पीठम् के संस्थापक / संयोजक डॉ युधिष्ठिर योगक्षेम व सहयोगियों की इस अनुसंधानित यात्रा पथ की यात्रा एक प्रामाणिक आकार ले चुकी है।

सरस्वती पीठम् द्वारा वैदिक नदी सरस्वती के यात्रा पथ के आस–पास के अनेक स्थलों के भूगर्भीय जल का वैज्ञानिक परीक्षण किया गया। खोज की इस यात्रा में ष्मानाष में प्राप्त जल की रासायनिक साम्यता हरियाणा के यमुना नगर में स्थित आदिबद्री कुण्ड, प्रयागराज के दुर्ग में स्थित ष्सरस्वती कूपष और फतेहपुर, कौशाम्बी एवं प्रयागराज में प्रवाहित होने वाली स्थानीय ष्ससुरखदेरी नदीष के भूगर्भ से प्राप्त जल प्रवाही रूप में है, जबकि भूगर्भके जल का स्वरूप स्थिर अथवा ठहरा हुआ होता है।सरस्वती पीठम् द्वारा सरस्वती नदी की यह शोध यात्रा वैश्विक वैज्ञानिक मानदण्डों एवं प्राप्त निष्कर्षों के परीक्षण व प्रमाणीकरण की प्रक्रिया विश्वस्तरीय संस्थानों से निरीक्षित है और जल प्रमाणीकरण की रासायनिक प्रक्रिया पर अधारित है।

'सरस्वती पीठम' का यह भगीरथ प्रयास प्रयाग के ऋग्वेदोक्त गौरव और पवित्र संगम के उस आध्यात्मिक वैभव को समर्पित है, जिसने नदी संस्कृति के माध्यम से मानव जीवन को ओजस्वी बनाने की दिशा में शब्दातीत योगदान दिया है। इसी पवित्र भावना के साथ सरस्वती पीठम् ससुरखदेरी नदी के प्रवाहपथ को एक जीवन्त संग्रहालय के रूप में संरक्षित, सम्बर्द्धित व विकसित करने हेतु सतत प्रयत्नशील है साथ ही इस पूरे परिपथ को एक प्राचीन वैभव से युक्त आधुनिक सारस्वत स्वरूप देने के लिये भी प्रतिबद्ध है। जिससे सरस्वती के सारस्वत अन्तः सलिल प्रवाह को मूर्त प्रवाह का रूप देकर भारत के वैदिक वैभव को सरस्वती नदी के माध्यम से प्रवहमान बनाने में योगदान दे सके।

सरस्वती नदी का यात्रापथ भारतवर्ष के उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश राज्य से गुजरता है। यह भगीरथ खोज यात्रा भारत सरकार के सहयोग व समर्थन के बिना पूर्ण होना असंभव था। इसलिए सरस्वती पीठम् भारत सरकार विशेष रूप से माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है। विश्वास है कि ष्पीठम्ष का यह प्रयास अतिशीघ्र भारतीयों के सहयोग से मूर्त रूप लेगा।

विश्व धरोहर दिवस पर महापौर ने किया लोकनाथ का भ्रमण

प्रयागराज। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी विश्व धरोहर दिवस पर पुराने शहर के ऐतिहासिक लोकनाथ मोहल्ले का भ्रमण किया। महापौर ने भ्रमण के दौरान लोगों के साथ लोकनाथ के ऐतिहासिक महत्व के बारे में चर्चा की। मोहल्ले के लजीज व्यंजनों का आनंद लिया। महापौर ने लोकनाथ की एक खानपान की दुकान पर कचौड़ी भी बनाई। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि अपनी विरासत बचाना सभी का कर्तव्य है। यह विरासत ही हमारी पहचान है। प्रयागराज में अनेक प्राचीन मंदिर प्राचीन क्षेत्र जिसको हेरिटेज के नाम से जाना जाता है। नगर निगम हेरिटेज क्षेत्र को जल्द ही और विकसित करेगा। महापौर के साथ भ्रमण में समाजिक कार्यकर्ता राम जी केसरवानी, पार्षद सुनीता चोपड़ा, नेम यादव, मुकेश कसेरा पूर्व पार्षद गिरी शंकर प्रभाकर, ओपी द्विवेदी, विवेक अग्रवाल, गौरी शंकर वर्मा, दिनेश विश्वकर्मा शिवमोहन गुप्ता, विष्णु त्रिपाठी, मनोज मिश्रा, निखिल पांडेय, अजय श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

अनुपस्थित 68 शिक्षकों-कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस

प्रयागराज। परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों से अनुपस्थित रहे 68 शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने 17 अप्रैल को दी नोटिस में कर्मचारियों से तीन दिन के अंदर साक्ष्यों के साथ जवाब देने के निर्देश दिए हैं। नोटिस पाने वालों में शंकरगढ़ के प्रधानाध्यापक शशि मिश्रा, कौड़िहार द्वितीय के प्रधानाध्यापक राजेन्द्र कुमार कनौजिया व बद्री प्रसाद सिंह, मेजा के प्रधानाध्यापक राजकुमार, उरुवा के प्रधानाध्यापक राधा कृष्ण सिंह का नाम शामिल है। सहायक अध्यापक प्रीति कुमारी, मनोज कुमार सिंह, वंदना द्विवेदी, सुनीता देवी, श्रद्धा सिंह, संजय कुमार पटेल, बुशरा, ज्योति यादव, दिव्या मिश्रा, अजय पांडेय, रिता पटेल, महेश कुमार तिवारी, अनीता वर्मा, आलिया हसन, रामकृष्ण पांडेय, विवेक चन्द्र मिश्रा, असमत जहां, राजेन्द्र कुमार मिश्र, रुपिन कुमार, सुधा भारती, कंचन मिश्रा, मंजू, भूपेन्द्र प्रताप सिंह का नाम शामिल है।

निपुण रैंकिंग में प्रयागराज ने लगाई छलांग

प्रयागराज। निपुण असेसमेंट टेस्ट में प्रयागराज ने लंबी छलांग लगाई है। 2023 में 34वें स्थान पर रहे प्रयागराज को 2024 में पूरे प्रदेश में 11वां स्थान मिला है। 2024 के मूल्यांकन में प्रयागराज के 2872 परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में पंजीकृत कक्षा एक से आठ तक के 351113 छात्र–छात्राओं में से 337277 निपुण टेस्ट में शामिल हुए थे। 2023 में 74.2 प्रतिशत बच्चे सफल थे जबकि 2024 में 92.49 प्रतिशत बच्चे सफल हैं। इस सफलता पर बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने जिले के सभी परिषदीय शिक्षकों को बधाई देते हुए अगली बार पहली रैंकिंग लाने के लिए प्रेरित किया है। रैकिंग में अमेठी को पहला स्थान मिला है जहां के 1600 स्कूलों में पंजीकृत 137523 बच्चों में से 133410 का मूल्यांकन हुआ। 2023 में 59वीं रैंक पर रहे अमेठी को 2024 में पहली रैंक मिली है।

बढ़े शहरों के आकार पर निकालेंगे जनसंख्या का घनत्व

प्रयागराज। प्रदेश में जनगणना की कवायद शुरू हो गई है। इस साल होने वाली जनगणना से पहले शासन अलग–अलग विभागों से ताजा आंकड़ों का ब्योरा ले रहा है। अब प्रदेश के नगर निकायों से शहर और नगरों के विस्तार का भी ब्योरा मांगा गया है। नगर निकाय निदेशालय की अपर निदेशक ऋतु सुहास ने प्रदेश के सभी नगर आयुक्त और अधिशासी अधिकारियों को पत्र भेजकर विस्तारित क्षेत्र वाले शहर और नगरों का ब्योरा पुराने क्षेत्र के साथ देने का निर्देश दिया है। प्रयागराज नगर निगम में आए

अपर निदेशक के पत्र में प्रयागराज शहर के क्षेत्रफल का आंकड़ा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। निकायों को शहर और नगरों का क्षेत्रफल (विस्तारित क्षेत्र के साथ) हेक्टेयर में भेजना होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर इस साल जनगणना कराई जाएगी। इसकी तारीख अभी तय नहीं है। धरातल पर जनगणना शुरू होने के पहले भौगोलिक क्षेत्रफल का डाटा तैयार किया जा रहा है। वर्ष 2011 में हुई जनगणना में प्रयागराज शहर की आबादी 11,12,544 थी। 14 साल पहले हुई जनगणना में शहर के आसपास की तमाम आवासीय योजनाओं को शहर का हिस्सा माना गया था। अब वही शहर से सटे क्षेत्र अब अधिकृत तौर पर नगर निगम का हिस्सा बन गए हैं। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी पीके द्विवेदी ने बताया कि 2011 के बाद 2021 में जनगणना प्रस्तावित थी, लेकिन कोरोना के कारण इसे टाल दिया गया। इस साल जनगणना होगी। जनगणना शुरू करने के पहले शासन भौगोलिक आंकड़े मांग रहा है। इसी कड़ी में शहर और नगरों के संपूर्ण क्षेत्र का ब्योरा देने के लिए कहा गया है। क्षेत्रफल के आधार पर प्रति हेक्टेयर आबादी का घनत्व निकाला जाएगा।

नए यमुना पुल की फसाड लाइट का बिल देगा नगर निगम

प्रयागराज। महाकुम्भ के दौरान नए यमुना ब्रिज पर लगाई गई फसाड लाइट का बिल नगर निगम भुगतान करेगा। फसाड लाइट के बिल भुगतान को लेकर नगर निगम और उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड के बीच समझौता हुआ है। नगर निगम के मुख्य अभियंता (विद्युत) संजय कटियार ने बताया कि फसाड लाइट लगाने वाली एजेंसी इसका रखरखाव करेगी। नगर निगम सिर्फ बिल का भुगतान करेगा। उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड ने महाकुम्भ के पहले नए पुल पर फसाड लाइट लगाई थी। पहले फसाड लाइट और यमुना पर लेजर का काम जल निगम के सीएंडडीएस को दिया गया था। सीएंडडीएस दोनों काम समय रहते शुरू नहीं कर पाया तो शासन ने उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड को जिम्मेदारी सौंपी गई।

डेढ़ दशक बाद भी 'बैसाखी' पर कॉलोनी की बिजली

- –मोहल्ले में बिजली का खंभा न होने से शार्ट सर्किट की समस्या।
- –हाईटेंशन लाइन गुजरने से कई बार हादसे हो चुके, बना रहता है खतरा।
- –बिजली का खंभा और ट्रांसफॉर्मर न होने से लो वोल्टेज की समस्या।
- –दस साल पहले एक ही सड़क बना, बी ब्लश्वक की नहीं बनाई गई।
- –कॉलोनी में स्थायी बिजली आपूर्ति के लिए खंभे लगाए जाएं।
- –हाईटेंशन लाइन को कवर्ड वायर से बदला जाए।
- – बी–ब्लॉक की अधूरी सड़क को जल्द पूरा किया जाए।
- – नियमित टैक्स जमा करने वाले नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं दी जाएं।

प्रयागराज। शहर के प्रीतमनगर के पास बसी नमामि गंगे कॉलोनी के लोग पिछले डेढ़ दशक से मूलभूत सुविधाओं का इंतजार कर रहे हैं। हाईकोर्ट, पुलिस, सेना और अन्य सरकारी विभागों में कार्यरत लोगों के करीब तीन दर्जन परिवार इस कॉलोनी में रह रहे हैं, लेकिन यहां न तो बिजली के पोल लगे हैं और न ही सड़क पूरी है। इस कॉलोनी में प्लॉट खरीदकर लोगों ने घर तो बना लिए, लेकिन आज तक बिजली की स्थायी व्यवस्था नहीं हो पाई। 100 से 500 फीट की दूरी से लोग खुद के खर्चे पर तार खींचकर बिजली जला रहे हैं लेकिन विभाग हर महीने केवल बिल ले रहा है और पोल लगाने के लिए तय कीमत मांग रहा है। नतीजतन यहां लोग हाईटेंशन लाइन के पोल के सहारे तार खींचकर बिजली का उपयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के पोर्टल यानी आईजीआरएस पर शिकायत की गई तो लिखकर आ गया कि प्रोजेक्ट लंबित है। इसके बाद इंतजार जारी है।

प्रीतमनगर के आगे भोला का पुरा स्थित नमामि गंगे कॉलोनी में कॉलोनी में 2007 में प्लॉटिंग शुरू हुई थी। धीरे–धीरे यहां कई सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों ने प्लॉट खरीदे और मकान बनवाना शुरू किया। इनमें बच्चा सिंह, अजय सिंह, बीएस पांडेय, अनिल उपाध्याय, संजय पांडेय, बीके द्विवेदी, अमित सिंह, दिनेश यादव और सुनील पांडेय जैसे लोग सेना से जुड़े हैं। इनके साथ ही इलाहाबाद हाईकोर्ट के समीक्षा अधिकारी और यूपी पुलिस के कर्मचारी भी यहां रहते हैं। कॉलोनी में आज भी बिजली के खंभे नहीं लगे हैं। मुख्य सड़क से करीब 500 फीट की दूरी से तार खींचकर कनेक्शन दिए गए हैं। इससे आए दिन फाल्ट और शॉर्ट सर्किट की समस्या बनी रहती है। कई बार आंधी–तूफान में तार आपस में उलझ जाते हैं और जब एक कनेक्शन फेल होता है, तो कई घरों की बिजली गुल हो जाती है।

2012 से लगातार शिकायतें, कोई सुनवाई नहीं:

स्थानीय लोगों ने 2012 से ही बिजली विभाग से लेकर महापौर और विधायक तक से शिकायत की है लेकिन आश्वासन के अलावा उन्हें कुछ नहीं मिला। हर चुनाव में प्रत्याशी यहां आकर वादा करते हैं कि जल्द ही समस्या सुलझेगी, लेकिन अब तक न तो खंभे लगे और न ही तारों को सुरक्षित किया गया। इस कॉलोनी के बाद विकसित हुई अन्य कॉलोनियों में बिजली के खंभे पहुंच गए हैं लेकिन नमामि गंगे कॉलोनी के बाशिंदों की परेशानी को अब तक नजरअंदाज किया जा रहा है।

हर साल टैक्स जमा, फिर भी उपेक्षा–

यहां रहने वाले लोग हर साल तीन हजार से चार हजार रुपये का हाउस टैक्स और तीन से पांच हजार रुपये तक का जल कर और सीवर टैक्स भरते हैं। इसके बावजूद न तो नगर निगम ने, न ही बिजली विभाग ने उनकी सुधि ली। लोगों का कहना है कि सरकार उनसे टैक्स तो वसूलती है लेकिन मूलभूत सुविधाएं देने में नाकाम रही है। कॉलोनी में ए और बी दो ब्लॉक बने हैं। ए–ब्लॉक की सड़क तो बनी लेकिन बी–ब्लॉक की सड़क का निर्माण अधूरा ही छोड़ दिया गया। बी–ब्लॉक में रहने वाले लोग अब भी ऊबड़–खाबड़ रास्ते से आने–जाने को मजबूर हैं। पिछले दस वर्षों में न तो कोई अधिकारी वहां पहुंचा और न ही किसी ने सड़क निर्माण की सुधि ली।

नशेड़ियों से सुरक्षा बड़ी परेशानी

सुरक्षा के लिए कॉलोनीवासियों ने खुद पैसे जोड़कर मुख्य गेट लगवाया। पहले यहां नशेड़ियों का जमावड़ा रहता था, जिससे महिलाएं और बच्चे असुरक्षित महसूस करते थे। गेट लगने के बाद कुछ हद तक राहत बनी है। इस पहल में पुलिस और प्रशासन ने भी सहयोग किया था।

खुले में हाई टेंशन लाइन, बच्चों की जान पर खतरा

इस कॉलोनी के पीछे नमामि गंगे योजना का प्लांट बना है, जिसके लिए 11 हजार वोल्ट की हाई टेंशन लाइन इस कॉलोनी के बीच से होकर गुजरी है। यह लाइन बिना कवर्ड वायर के लगी है, जिससे कई बार तार टूटकर सड़क पर गिर चुके हैं। पिछली बार गनीमत रही कि ऑटोकट से बिजली बंद हो गई, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। यह लाइन कैलाश वर्मा, जय भीम और मानिकचंद के घरों के ठीक ऊपर और बगल से गुजरती है, जिससे वे हमेशा डर के साए में रहते हैं।

करीब डेढ़ दशक से यहां रह रहे हैं, लेकिन आज तक यहां बिजली की समुचित व्यवस्था नहीं हो पाई है। कॉलोनी से दूर मुख्य सड़क से तार दौड़ाने के बाद ही कॉलोनी के लोग बिजली का इस्तेमाल कर पा रहे हैं। –बीएस पांडेय

कॉलोनी की सड़कों की हालत बेहद खराब है, ए ब्लॉक में सड़क बनाई गई लेकिन बी ब्लॉक को ऐसे ही छोड़ दिया गया। ए ब्लॉक में सीवर का काम शुरू हुआ तो सड़क क्षतिग्रस्त हो गई जिसे दोबारा नहीं बनाया गया। –रामसेवक पांडेय

सड़क पर लगाई गई इंटरलाकिंग जगह–जगह उखड़ चुकी है। कॉलोनी के एक भाग में तो इंटरलाकिंग लगाई ही नहीं गई, लोगों को कच्चे मार्ग से गुजरना पड़ रहा है। लोग परेशान हैं लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। –बच्चा सिंह

कॉलोनी तो बसा दी गई लेकिन बिजली विभाग ने यहां अब तक पोल नहीं लगाए है। लोगों को अपने खर्च पर दूर से केबल खींचकर लाना पड़ रहा है तब जाकर घर तक बिजली पहुंच रही है। यह समस्या बेहद गंभीर है। –शशिकांत पांडेय

कॉलोनी के लिए नौ पोल की जरूरत है। बिजली विभाग को इसके लिए कई बार कहा गया लेकिन पोल नहीं लगा। हालत यह है कि लोग अपने खर्च पर केबल खींच कर बिजली ले रहे हैं और विभाग को बिल दे रहे हैं।–धर्मेंद्र द्विवेदी

लटकते बिजली के तार कॉलोनी की बड़ी समस्या है, लोगों के घरों में पानी तो आता है लेकिन प्रेशर इतना कम रहता है कि प्रथम तल तक भी पानी नहीं चढ़ पाता। कई बार छत पर लगाई गई पानी की टंकी भी नहीं भर पाती। –बृजेश द्विवेदी

कॉलोनी में स्ट्रीट लाइट नहीं है जिसके कारण लोगों को काफी दिक्कत होती है। हम लोगों ने कई बार विभाग के जिम्मेदारों से इसकी शिकायत की लेकिन स्ट्रीट लाइट नहीं लग पाई। रात में सड़क पर अंधेरा रहता है। –अजय कुमार सिंह

लो प्रेशर के कारण घरों में पानी नहीं चढ़ पाता, कॉलोनी के मार्ग बदहाल हैं, बिजली के तार झूलते रहते हैं जिससे लोकल फाल्ट पैदा हो जाता है। फाल्ट ठीक होने में काफी समय लगता है। शिकायत पर काम नहीं होता। –कैलाश प्रसाद वर्मा

इस कॉलोनी में 200 से अधिक लोग रहते हैं लेकिन अब तक यहां स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था तक नहीं हो पाई है। शाम होते ही सड़क पर अंधेरा छा जाता है। स्ट्रीट लाइट न होने से असुरक्षा की भावना बढ़ जाती है। – स्वाती वर्मा

इंटरलाकिंग कई जगह से उखड़ चुकी है, जिससे हमें काफी परेशानी हो रही है। ऊबड़ खाबड़ मार्ग से निकलना लोगों के लिए काफी परेशानी भरा होता है। कॉलोनी में पूरी इंटरलाकिंग को फिर से बनाना होगा। –रूबी श्रीवास्तव

कॉलोनी के मेन गेट पर लोग कूड़ा फेंक कर चले जाते हैं। गंदगी और दुर्गंध से परेशान हैं। गंदगी के कारण बच्चे बाहर खेल भी नहीं पाते। मुख्य द्वार पर कूड़ा पड़ा होने से लोगों को निकलने में भी परेशानी होती है। –अर्चना अवस्थी

लटकते बिजली के तारों के कारण आए दिन लोग फाल्ट से परेशान रहते हैं। लटकते तारों से कभी भी कोई बड़ी घटना हो सकती है। बिजली विभाग जरूरत के मुताबिक पोल लगाकर तारों को व्यवस्थित कराए। –कनक पांडेय

यहां एक बड़े हिस्से में अब तक पक्का मार्ग भी नहीं बन पाया है। प्रवेश द्वार के पास तो इंटरलाकिंग की गई लेकिन पिछले हिस्से में लोगों को कच्चे रास्ते से होकर आना जाना पड़ रहा है। इससे लोग परेशान हैं। –शशिकांत पांडेय

बिजली और पानी के अलावा सफाई भी यहां की बड़ी समस्या है। मेन गेट पर कूड़ा पड़ा रहता है जिससे लोगों को आने जाने में काफी परेशानी होती है। यहां कूड़ेदान लगना चाहिए जिससे गंदगी इधर–उधर न फैले। –तारा पांडेय

बिजली के पोल लगे और कॉलोनी के लिए अलग ट्रांसफार्मर लगाकर उससे सप्लाई की जाए तो बिजली की समस्या का समाधान हो सकता है। लोग बराबर शिकायत करते आ रहे हैं लेकिन अब तक पोल नहीं लगा। –पिंकी पांडेय

यहां लटकते बिजली के तार और लोकल फाल्ट की समस्या से लोग परेशान हैं। समस्या के स्थायी निदान के लिए अंडरग्राउंड तार बिछाए जाएं तो आए दिन के फाल्ट की समस्या पर विराम लग सकता है। –संध्या तिवारी

प्रयागराज में टेंट हाउस के गोदाम में लगी भीषण आग, ऊंची–ऊंची लपटें और आसमान में धुएं का गुबार

प्रयागराज। प्रयागराज में टेंट हाउस के गोदाम में शनिवार की सुबह भीषण आग लग गई। आग ने विकराल रूप ले लिया। ऊंची–ऊंची आग की लपटें और आसमान में धुएं के गुबार दिखाई दिए। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के महाकुंभ क्षेत्र में स्थित परेड ग्राउंड के पास एक टेंट के गोदाम में आग लग गई है। ऊंची–ऊंची लपटें उठ रही हैं। आग पर दमकल की गाड़ियां काबू पाने में जुटी हैं।

न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, परेड ग्राउंड स्थित एक टेंट हाउस के गोदाम में शनिवार की सुबह आग लग गई। देखते ही देखते आग फैलती गई। आग का भयावह रूप देख इलाके में हड़कंप मच गया। ऊंची–ऊंची आग की लपटें और आसमान में धुएं के गुबार दिखाई दिए। आग लगने की सूचना

मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। फिलहाल आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। आग लगने की घटना में अभी तक जनहानि की कोई खबर नहीं है।

एक अधिकारी ने जानकारी दी है कि हाल ही में संपन्न हुए महाकुंभ के लिए टेंट लगाने का सामान सप्लाई करने वाली एक कंपनी के गोदाम में शनिवार सुबह आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए पानी की गाड़ियां मौके पर भेजी गई हैं और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटनास्थल के पास एक अन्य गोदाम में काम करने वाले राहुल ने दावा किया कि सिलेंडर फटने की आवाज सुनी गई थी। प्रयागराज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजीव कुमार पांडे ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए छह पानी की गाड़ियां लगाई गई हैं। अन्य स्थानों से भी पानी की गाड़ियां मौके पर पहुंच रही हैं। उन्होंने बताया कि गोदाम में लकड़ियां और टेंट का सामान रखा हुआ था।

हरिवंश राय बच्चन के नाम हुआ प्रयागराज का यह भवन, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी ने विज्ञान परिषद का बदला नाम

प्रयागराज। पूरब का ऑक्सफोर्ड कहे जाने वाले इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने अमिताभ और हरध्विंश राय बच्चन से शहर के रिश्ध्ते को अब एक नया मुकाम दिया है। विश्ध्वविद्यालय ने अपने विज्ञान परिषद का नाम महान कवि और सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के पिता हरिवंश राय बच्चन के नाम पर रख दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के इस निर्णय से शैक्षणिक और सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध बनाने में बल मिलेगा। अब विज्ञान परिषद को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी के पूर्व प्रोफेसर और प्रसिद्ध कवि हरिवंश राय बच्चन सांस्कृतिक केंद्र के नाम से जाना जा रहा है। प्रो. हरिवंश राय बच्चन सांस्कृतिक

केंद्र (पूर्व में विज्ञान परिषद) परिसर स्थित एक एनएक्सी है। जिसमें एक गेस्ट हाउस (अतिथि भवन) का भी निर्माण कराया गया है। उसका नाम भी हरिवंश राय बच्चन के नाम से रखा गया है। विज्ञान परिषद में जहां कभी विज्ञान की चर्चा होती थी अब वहां साकित्य की बातें होंगी। प्रयागराज शहर में इससे पहले सिने स्टॉर अमिताभ बच्चन के नाम पर स्पोर्ट्स काम्पलेक्स पहले से है। अब पिता के नाम पर भी शहर में परिसर हो गया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय का विज्ञान परिषद एक ऐतिहासिक संस्था है जो विज्ञान जनव्यापीकरण के क्षेत्र में कार्य करती है और इसकी स्थापना 1913 में हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य भारत में वैज्ञानिक विचारधारा का प्रचार–प्रसार करना है। कालांतर में विज्ञान परिषद इसका उपयोग वाणिज्यिक गतिविधि में करने लगा था। इस कारण विश्वविद्यालय ने कानूनी लड़ाई लड़कर इस तीन मंजिला भवन को पुनः अपने नियंत्रण में लिया है। अब इविवि इस भवन को शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधि में उपयोग करेगा। प्रयागराज शहर में अमिताभ बच्चन के नाम पर एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया गया है, जो शहर के युवाओं के लिए खेल के अवसर प्रदान कर रहा है।

प्रयागराज होगा यूपी का दूसरा शहर, जहां अगले माह से चलेंगी डबल डेकर ई –बस

प्रयागराज। प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बाद प्रयागराज सूबे का दूसरा ऐसा शहर होगा जहां डबल डेकर ई –बसों का संचालन होगा। अगले माह प्रयागराज की सड़कों पर शहरियों को डबल डेकर ई–बसें दौड़ती दिखाई दे जाएंगी। इसकी तैयारी शुरू हो गई है।

प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बाद प्रयागराज सूबे का दूसरा ऐसा शहर होगा जहां डबल डेकर ई –बसों का संचालन होगा। अगले माह प्रयागराज की सड़कों पर शहरियों को डबल डेकर ई–बसें दौड़ती दिखाई दे जाएंगी। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। डबल डेकर ई– बस के रूट का भी निर्धारण हो गया है। यहां दो रूट पर इन बसों को चलाए जाने की तैयारी है। दरअसल प्रयागराज में लगे महाकुंभ के दौरान ही यहां दो डबल डेकर ई–बस मुख्यालय से यहां भेजी गई। इन बसों का संचालन

महाकुंभ के दौरान ही होना था, लेकिन संगम नगरी में कई रेलअंडर ब्रिज की कम ऊंचाई होने की वजह से इन बसों के रूट का निर्धारण नहीं हो पा रहा था। इस वजह से दोनों ई–बस बीते दो माह से राजापुर स्थित प्रयाग डिपो के वर्कशॉप में ही खड़ी हैं। उधर इन बसों के प्रयागराज आगमन के बाद यूपी रोडवेज प्रशासन ने उन मार्गों का सर्वे किया, जहां इन बसों के संचालन में दिक्कत न आए। तमाम मार्ग का सर्वे करने के बाद दो रूट का अब जाकर निर्धारण किया गया है। इसमें प्रयागराज एयरपोर्ट से सिविल लाइंस बस स्टेशन और दूसरा गोविंदपुर से प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन शामिल है। इन दोनों ही मार्ग पर एक भी रेल अंडर ब्रिज नहीं है। बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट से चलने वाली डबल डेकर ई–बस झलवा, चौफटका रेल ओवर ब्रिज, हाईकोर्ट फ्लाई ओवर से सिविल लाइंस विवेकानंद मूर्ति चौराहा, लोक सेवा आयोग चौराहा, स्टैनली रोड होते हुए सिविल लाइंस बस स्टेशन पहुंचेंगी।

कटाई मशीन मे फंसकर बालक हुआ घायल

भोपा। खेत से गेहूँ की फ़सल कटाई कर रही मशीन की चपेट मे आकर बालक घायल हो गया जिसे भोपा सी एच सी पर उपचार के लिए लाया गया जहां से जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया गया। भोपा थाना क्षेत्र के गांव धीराहेडी निवासी किसान प्रमोद राठी शनिवार को खेत मे खड़ी गेहूं की फ़सल

को मशीन द्वारा काट रहा था। परिवार के अन्य सदस्य फ़सल को इकठ्ठा कर रहे थे की वहीं 14 वर्षीय हर्ष फ़सल को इकठ्ठा करने के दौरान फिसल गया और मशीन की चपेट गया। मशीन के तेज़धार वाले ब्लेड की चपेट मे उसका पैर फंस गया।जिससे हर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया। हर्ष को भोपा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर उपचार के लिए लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

सुशासन वह है जो संविधान के अनुसार पूरे देश को साथ लेकर चले : मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (सपा) की प्रमुख मायावती ने शनिवार को कहा कि सुशासन वह है जो संविधान के अनुसार पूरे देश को साथ लेकर चले। मायावती ने 'एक्स पर पोस्ट कर कहा, ''पश्चिम के महाराष्ट्र, गुजरात तथा दक्षिण भारत के कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल में बसपा संगठन के गठन की तैयारी व मजबूती एवं पार्टी के जनाधार को बढ़ाने आदि पर दिल्ली में हुई बैठक में गहन समीक्षा की गई। आगे पूरे तन, मन, धन से पार्टी के कार्यों को दिशा–निर्देशानुसार बढ़ाने का संकल्प लिया गया। मायावती ने कहा, ''जनगणना व उसके आधार पर लोकसभा सीट का पुनः आवंटन, नयी शिक्षा नीति और भाषा थोपने आदि मुद्दों पर इन राज्यों तथा केन्द्र के बीच विवाद का राजनीतिक स्वार्थ के लिए उपयोग करने से जन तथा देशहित का प्रभावित होना स्वाभाविक। 'गुड गवर्नेंस (सुशासन) वही जो पूरे देश को संविधान के हिसाब से साथ लेकर चले। बसपा नेता ने कहा, ''वैसे भी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले खासकर शोषित–उपेक्षित गरीबों, दलितों, आदिवासियों व पिछड़े वर्ग आदि के बच्चे अंग्रेजी का ज्ञान अर्जित किए बिना आगे चलकर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और कौशल के क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ सकते हैं? सरकार इस बात का जरूर ध्यान रखे। भाषा के प्रति नफरत अनुचित है।

एयरपोर्ट में डॉक्टर का आईफोन चोरी, थाईलैंड से लौटी थी महिला डॉक्टर

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट में फिर चोरी हुई है। यह चार दिन के अंदर चोरी की दूसरी वारदात है। इस बार महिला डॉक्टर चोरों का शिकार बनीं। उनका आईफोन गायब हो गया। बता दें कि तीन दिन पहले एक महिला का 20 हजार रुपए भरा पर्स चोरी हुआ था। पीड़ित डॉ. पियूषा वाधवानी राजानी ने बताया कि वह थाईलैंड से लो लखनऊ लौटीं। एयरपोर्ट से बाहर निकलने के बाद पार्किंग एरिया में उनका आईफोन 13 प्रो गायब हो गया। डॉ. पियूषा ने इस संबंध में सरोजनी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। डॉ. पियूषा आलमबाग के सिंगार नगर में गंगाराम राजाजी मार्ग पर रहती हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एयरपोर्ट के सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोर की पहचान की कोशिश की जा रही है। लखनऊ एयरपोर्ट में ही बुधवार को चेक–इन करते समय एक महिला के बैग से 20 हजार रुपए चोरी हो गए। प्रगति श्रीवास्तव नाम की यात्री एयर इंडिया की फ्लाइट I626 से लखनऊ से मुंबई जा रही थीं। महिला ने सरोजनी नगर थाने में इसका मुकदमा दर्ज कराया। मुंबई की रहने वाली प्रगति ने बताया कि उन्होंने लखनऊ एयरपोर्ट पर चेक–इन किया था। मुंबई पहुंचने पर जब उन्होंने अपना बैग खोला तो उसमें रखे 20 हजार रुपए गायब थे। पीड़िता के मुताबिक पैसे 100–100 के नोटों के दो बंडल में थे। मामले की जांच के लिए पीड़िता ने पहले मुंबई एयरपोर्ट के सीसीटीवी फुटेज की जांच कैंप की मदद से करवाई। वहां कोई सबूत नहीं मिलने पर उन्होंने लखनऊ के सरोजनी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अब लखनऊ एयरपोर्ट के चेक–इन काउंटर से लेकर बैगेज लोडिंग एरिया तक के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। साथ ही संभावित संदिग्धों की तलाश की जा रही है।पीड़िता ने अपनी शिकायत के साथ बोर्डिंग पास, बैगेज टैग और पहचान पत्र की प्रतियां भी जमा कराई हैं।

अखिलेश यादव को धमकी देने वाला करणी सेना का नेता गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को जान से मारने की धमकी देने वाले करणी सेना के नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा दर्ज करने के बाद करणी सेना के नेता मोहन चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले भी उन पर मुकदमा दर्ज था। बीते हफ्ते मोहन चौहान पर सपा सांसद रामजीलाल सुमन को गोली मारने वाले को इनाम देने की घोषणा पर मुकदमा लिखा गया था। इन दोनों मामलों में उन्हें शुक्रवार रात को गिरफ्तार कर लिया गया है।करणी सेना नेता मोहन चौहान जवां निवासी है। 15 अप्रैल को उनका एक वीडियो वायरल हुआ,जिसमें अखिलेश यादव को धमकाने की घोषणा की गई है। जिसपर नाराजगी जताते हुए सपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर की ओर से 17 अप्रैल को एसएसपी को लिखित शिकायत दी गई। इस शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया।मुकदमा दर्ज करने के बाद मोहन चौहान को शुक्रवार रात को गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी से शांति भंग न हो इसलिए पाबंद किए गए है।

क्षमता वर्धन कार्यशाला 21 से,मंत्री कपिल देव अग्रवाल करेंगे शुभारम्भ

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अंतर्गत तीन दिवसीय क्षमता वर्धन कार्यशाला का आयोजन 21 अप्रैल से 23 अप्रैल तक लखनऊ के होटल सेंटरम, अंसल, सुशांत गोल्फ सिटी में प्रातः 09 बजे से किया जा रहा है इस कार्यशाला का शुभारंभ 21 अप्रैल को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति में तथा प्रमुख सचिव डॉ. हरि ओम की अध्यक्षता में किया जाएगा।

ग्रेजुएशन डे पर विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

भोपा। भोपा –मुज़फ़्फ़रनगर मार्ग पर स्थित सेंट जेवियर्स ग्लोबल स्कूल मे ग्रेजुएशन डे बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम मे कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। जिनमे कक्षा 6 में अद्विका राठी, छवि चौधरी प्रथम छवि पाल द्वितीय मानवया चौधरी तृतीय कक्षा 7 खुशी सिंह, अविरल पाल प्रथम, रमनजोत सिंह, राधिका द्वितीय, अर्णव शर्मा तृतीय कक्षा 8 में इशिका शर्मा, पर्व राजवंशी प्रथम, शौर्य राज तोमर द्वितीय, रमशा सलीम, नेमत तेजस्वी

तृतीय कक्षा 9 में कशिश (प्रथम), अक्षिता चौहान (द्वितीय), मोक्षी दक्ष तृतीय कक्षा 11 में निहारिका, मानशी प्रथम, ब्रेवजोत कौर, प्रीत अग्रवाल, नंदनी द्वितीय, आयशा, इशिका राठी तृतीय को सम्मानित किया गया। इस दौरान संस्कृतिक कार्यक्रम और प्रेरणादायक संदेश शिक्षा के साथ–साथ कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए सीनियर विद्यार्थियों ने शानदार राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रधानाचार्या मोनिका चौधरी ने बच्चों को कड़ी मेहनत और ईमानदारी से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और सफलता का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रबंधक संजय तोमर अध्यक्ष ओमपाल सिंह आदि रहे।

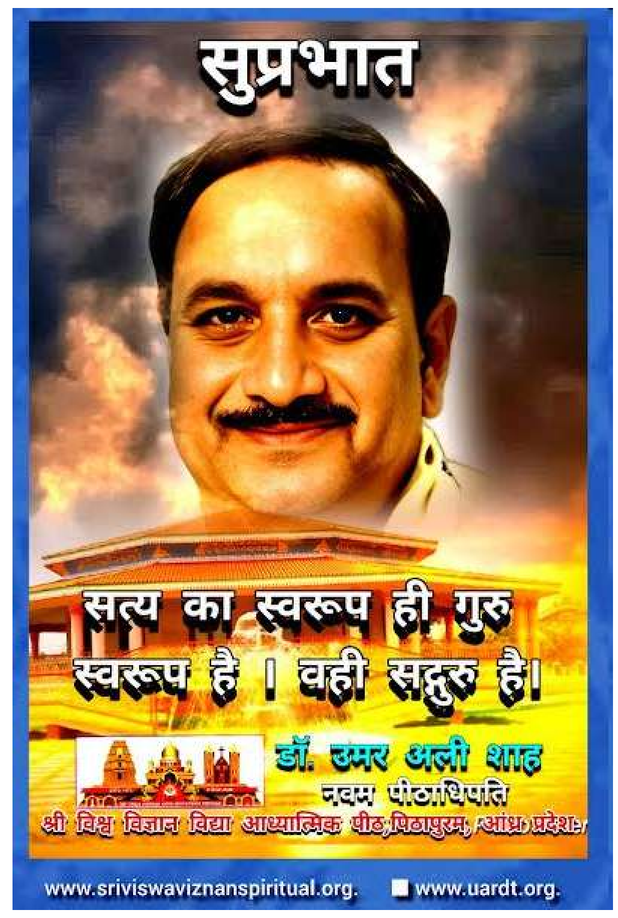

मोक्षदा जल धारा के पुनरोद्धार हेतु कमास में हुई ग्राम सभा की बैठक

पंचायत व ग्रामीणों ने धारा के पुनर्जीवन हेतु कसी कमर

हरिशंकरी पौध का रोपण कर लोक भारती ने की सहभागिता

प्रतापगढ़। मोक्षदा जल धारा के पुनरोद्धार हेतु सडवा चंद्रिका ब्लाक के कमास ग्राम पंचायत में ग्राम सभा की बैठक हुई। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की विशेष उपस्थिति में व्यापक विचार बिमर्श कर ग्राम पंचायत व ग्रामीणों ने धारा के पुनर्जीवन हेतु अपनी कमर कस ली है। मोक्षदा जल धारा के किनारे ब्रम्ह बाबा स्थान पर हरिशंकरी पौध का रोपण कर लोक भारती संस्था ने की अपनी भागीदारी की।

मोक्षदा जल धारा के पुनर्जीवन व पुनरोद्धार हेतु ग्राम प्रधान राम बरन मौर्य की अध्यक्षता में ग्राम सभा की खुली बैठक धारा के किनारे साई कुटी पर हुई। संचालन सचिव ग्राम विकास अधिकारी उत्तम पटेल ने किया। वहीं तकनीकी सहायक विजय कुमार ने सभी तकनीकी पहलूओ पर ग्राम वासियों से चर्चा की। पूर्व में ब्लाक के

लघु सिचाई विभाग द्वारा बने चेकडैम के छतिग्रस्त होने की शिकायत पर लोकपाल ने अवर अभियंता लघु सिचाई निरीक्षण कर अबिलंब नियमानुसार दुरुस्त करने को कहा।

ग्रामवासियों ने एक स्वर में जल धारा के प्रबन्धन व संरक्षण हेतु अभी तक हुए प्रयासो की सराहना की और अपेक्षा व्यक्त की इस अदभुत जल धारा के किनारे पर्यटक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए। जिस पर सर्व सम्मति से तय हुआ की ग्राम में धारा की जरूरी खुदाई 5 मीटर चौड़ाई में किया जाना तय किया गया। निमह गाँव के सामने पुलिया बनाया जाना तय हुआ। धारा के आसपास तालाब, खेलकूद पार्क व अंत्येस्टी स्थल आदि विकसित किया जाना तय हुआ। तय हुआ की आंवला सहित फल पट्टी जल धारा के किनारे व्यक्तिगत व सार्वजनिक विकसित की जायेगी।

मोक्षदा जल धारा के किनारे लोकभारती के जिला संयोजक दिनेश शर्मा व कार्यक्रम संयोजक सागर मिश्र के नेतृत्व में हरिशंकरी पौध का रोपण किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से मोक्षदा विकास समिति के संयोजक श्लोक मिश्र, सचिव योगेश तिवारी, शिक्षाविद् राजेंद्र पांडेय, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्तिकेय द्विवेदी, शुभम पांडेय सहित ग्राम वासियों ने सहभागिता की।

कब कैसे किसने किया

(कुण्डलिया)

विश्वासी विश्वास का, गला रौंद कर आज।
कोठी वाले हो गए, रहता ठगा समाज।
रहता ठगा समाज, गवाँकर सबकुछ अपना।
मिलना तो अब दूर, दर्श है उनका सपना।
सुन लो कहे प्रदीप, देख करके ऐय्यासी।
खुलकर करो विरोध, कहो मत हैं विश्वासी।।

कब कैसे किसने किया, खुद के लिए हलाल।
ठहरो! देखो, तब चलो, समझ वक्त की चाल।
समझ वक्त की चाल, जमाना कह मत अच्छा।
बिन समझे इन्सान, कहो मत उसको बच्चा।
सुन लो कहें प्रदीप, मिला है धोखा तब–तब।
आए अपने साथ, बताऊँ बोलो कब–कब।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने जेईई मेन्स 2025 (सेशन2) में अपने छात्रों की शानदार उपलब्धियों की घोषणा की

लखनऊ, (संवाददाता)। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड, जो टेस्ट प्रिपरेटरी सेवाओं में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी है, ने जेईई मेन्स 2025 (सेशन2) में अपने छात्रों की शानदार उपलब्धियों की घोषणा की। संस्थान की अटूट शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाते हुए, दो छात्रों ने ऑल इंडिया टॉप 10 रैंकिंग में स्थान प्राप्त किया। श्रेयस लोहीया (लखनऊ) ने एआईआर 6, कुशाग्र बैंगा ने एआईआर 7, और कृष्णा अग्रवाल ने एआईआर 45 हासिल की, जो इस वर्ष एईएसएल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। छात्रों को बधाई देते हुए, डी.के. मिश्रा, चीफ अकादमिक और बिजनेस हेड, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड, ने कहा, हम अपने छात्रों की मेहनत और सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं। सही कोचिंग और संकल्प ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। सभी सफल छात्रों को बधाई, और हम उनके आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं देते हैं!इन परिणामों से साबित होता है कि मेहनत और सही मार्गदर्शन से शानदार सफलता हासिल की जा सकती है! नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने आज परिणाम घोषित किए, जिससे इस साल के दूसरे और अंतिम जेईई सत्र का समापन हुआ। जेईई मेन्स भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक है! कई छात्र आकाश के क्लासरूम प्रोग्राम से तैयारी करते हैं ताकि वे आईआईटी जेईई जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर सकें। जेईई मेन्स दो सत्रों में आयोजित की जाती है ताकि छात्रों को अपने स्कोर सुधारने के अधिक मौके मिल सकें। जेईई एडवांस उन छात्रों के लिए प्रवेश का द्वार खोलता है जो प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में जाना चाहते हैं, जबकि जेईई मेन्स के जरिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और अन्य सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश का रास्ता बनता है। आकाश न केवल इंजीनियरिंग (जेईई) बल्कि मेडिकल (नीट), एनटीएसई, ओलंपियाड जैसे परीक्षाओं की भी बढ़िया तैयारी करवाता है! संस्थान छात्रों को उनकी पूरी क्षमता पहचानने और अपनी अकादमिक सफलता को हासिल करने के लिए बेहतरीन टेस्ट प्रिपरेशन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत माता और देश के हित में कांग्रेस का संघर्ष हमेशा जारी रहेगा : प्रमोद तिवारी

लखनऊ, (संवाददाता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद प्रमोद तिवारी ने शनिवार को समाचार एजेंसी से खास बातचीत में भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। इस बातचीत के दौरान उन्होंने नेशनल हेराल्ड केस, दिल्ली के सीलमपुर से हिंदुओं के पलायन और भाजपा नेताओं के बयानों पर बेबाक टिप्पणी की। नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद कांग्रेस की ओर से बनाई जा रही रणनीति को लेकर भाजपा का आरोप है कि वह ईडी और अदालत पर दबाव डालना चाहती है। इस पर प्रमोद तिवारी ने कहा कि देश और देशहित कांग्रेस के लिए सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि हम देशभक्त हैं, राष्ट्रभक्त हैं। हम अंग्रेज भक्त नहीं हैं। भारतीय जनता पार्टी अंग्रेज भक्त है। जब देश आजादी की लड़ाई लड़ रहा था, तब इनका मातृ संगठन अंग्रेजों की फौज में भर्ती होने के लिए पत्र लिखता था। वह उस समय भी अंग्रेजों की चापलूसी कर रहे थे और अब आजादी के लिए आवाज उठाने वाले नेशनल हेराल्ड और उसके सहयोगियों से बदला ले रहे हैं। तिवारी ने आगे कहा कि कांग्रेस कभी भी ऐसी ताकतों के सामने झुकी नहीं है और न ही उनकी लड़ाई कमजोर पड़ी है। उन्होंने कहा कि भारत माता और देश के हित में कांग्रेस का संघर्ष हमेशा जारी रहेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री

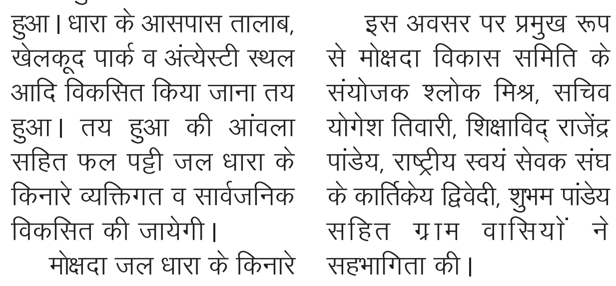

अनुराग ठाकुर द्वारा नेशनल हेराल्ड को कांग्रेस का एटीएम बताए जाने पर भी तिवारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि जरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो देख लिया करें। जितनी योजनाएं नहीं होतीं, भाजपा उससे ज्यादा फोटो दिखाकर विज्ञापन पर खर्च करती है।

वक्फ कानून को लेकर भाजपा की कार्यशाला

जिन्होंने वक्फ की जमीनों पर कब्जा किया, वही विरोध कर रहे : भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में वक्फ कानून को लेकर भाजपा ने कार्यशाला आयोजित की। इसमें पार्टी के पदाधिकारी समेत प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा वे लोग वक्फ कानून का विरोध कर रहे हैं, जिन्होंने वक्फ की जमीनों पर कब्जा कर रखा है। भाजपा वक्फ कानून को लेकर 20 अप्रैल से जन जागरण अभियान शुरू करने जा रही है। इससे एक दिन पहले लखनऊ के भागीदारी भवन में कार्यशाला की। इसकी अध्यक्षता भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और राज्यसभा सांसद राधा मोहन दास ने की। कार्यशाला में प्रदेश भर के पदाधिकारी, सांसद और विधायक मौजूद रहे। यह अभियान 20 अप्रैल से 5 मई तक चलेगा। इसके तहत कार्यकर्ता घर–घर जाकर लोगों को वक्फ कानून की सही जानकारी देंगे। उत्तर प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने बताया कि मुसलमानों का एक बड़ा वर्ग इस बिल का समर्थन कर रहा है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों का पैगाम है। मोदी के साथ मुसलमान। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा जो विपक्षी दलों के द्वारा एक भ्रम पैदा किया जा रहा है, उसके खिलाफ पूरी पार्टी घर–घर जाकर लोगों को समझाएंगे। गरीबों के लिए और समाज के कमजोर तत्वों के हित में जो सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है, उसके लिए हम जन जागरण करेंगे। इस कानून का विरोध केवल वे लोग कर रहे हैं, जो वक्फ की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं।

मेयर गिरीं, पैर फ्रैक्चर,राजनाथ सिंह के कार्यक्रम से निकलते फिसलीं

लखनऊ, (संवाददाता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ दौरे पर हैं। शनिवार को उनके कार्यक्रम में पार्टी के कई नेता समेत लखनऊ मेयर सुषमा खर्कवाल भी मौजूद थीं। कार्यक्रम में मेयर का पैर फिसल गया, जिससे वह गिर पड़ीं। उनके पैर में गंभीर चोट आई है। पैर पर प्लास्टर चढ़ाया गया है। वह प्रोग्राम खत्म के बाद मंच से उतर रही थीं, उसी दौरान पैर मैट से उनका पैर उलझ गया। इससे वह लड़खड़ाकर गिर गईं। बाद में वह कार्यक्रम स्थल से खुद चलकर बाहर आईं। इस दौरान हल्का लड़खड़ा रही थीं। टीम के साथ वह सीधे बलरामपुर हॉस्पिटल पहुंचीं। वहां डॉक्टरों ने उनके पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि की। उसके बाद प्लास्टर चढ़ाया गया। चिकित्सकों ने उन्हें कम से कम 10 दिन आराम करने की सलाह दी है। मेयर ने नगर निगम प्रशासन

और कार्यकर्ताओं से कहा है कि वह जल्द ठीक होकर लौटेंगी। राजनाथ सिंह ने लखनऊ पश्चिम मंडल–3, मध्य मंडल–1 और महानगर मंडल के कार्यकर्ताओं से अलग–अलग बैठकों में सीधा संवाद किया। मुन्नू खेड़ा स्थित एसएमडी लॉन में आयोजित संवाद में करीब 340 कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। सबने अपने इलाकों की समस्याएं खुलकर रखीं। 45 मिनट तक चले संवाद में बिजली, सीवर, नाली, खड़ंजा, ट्रैफिक और पानी की समस्याएं कार्यकर्ताओं ने जमकर उठाईं।

सम्पादकीय.......

परदेस से मोहभंग

यह खबर चौंकाने वाली है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है। जबकि अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़–पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां–बाप खून–पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। कहीं–कहीं तो खेत बेचकर और घर गिरवी रखकर बच्चों को विदेश पढ़ाने के लिए भेजने के मामले भी प्रकाश में आए। दरअसल, देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिये विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा–अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ फीसदी था। जरूरी नहीं था कि ये सारे छात्र मेधावी थे और सब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में दाखिला पा रहे थे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो सिर्फ विदेशी छात्रों से कमाई करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। दरअसल, धीरे–धीरे छात्रों और उनके अभिभावकों को हकीकत का अहसास होता चला गया। उन्होंने महसूस किया कि वे मोटा पैसा खर्च करके जैसे–तैसे डिग्री तो पा सकते हैं, लेकिन ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। हां, कुछ छात्र किसी तरह छोटे–मोटे काम–धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे। दरअसल, धीरे–धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी। इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, इन देशों के गोरी चमड़ी वाले लोगों के भारतीयों पर बढ़े हमलों ने छात्रों में मोहभंग की स्थिति उत्पन्न कर दी। बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया। वैसे देखा जाए तो विदेशी मुद्रा अर्जित करने के बजाय हम हर साल अरबों रुपये इन देशों को भेज रहे थे। दूसरी ओर छात्रों के विदेश जाने के मोहभंग होने का सार्थक पहलू यह भी है कि अब ये प्रतिभाएं देश में रहकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकती हैं। कुदरत का नियम है कि अपनी उर्वरा भूमि में ही पौधे अनुकूल वातावरण के चलते खिलते–निखरते हैं। ये हमारे नीति–नियंताओं की विफलता है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश को अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाले विश्वविद्यालय नहीं दे पाये। सामान्य शिक्षा में कौशल विकास के गुण को विकसित नहीं कर पाए। छात्रों में सरकारी नौकरियां पाने की लालसा को रचनात्मक विकल्प नहीं दे पाये। अमेरिका की सिलिकॉन वैली से लेकर आईटी से जुड़ी तमाम बड़ी कंपनियों को भारतीय प्रतिभाएं चला रही हैं। आखिर क्यों हम भारतीय मेधाओं को देश में ऐसा वातावरण नहीं दे पा रहे हैं, कि वे नई खोजों व अनुसंधान से देश को लाभान्वित कर सकें। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं वाला देश है। यदि हम उनकी क्षमता,योग्यता और प्रतिभा का बेहतर उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, तो यह हमारी बड़ी नाकामी है। देश के सत्ताधीशों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि क्यों छात्रों में विदेश जाने की होड़ लगी रहती थी। छात्रों को अनुकूल वातावरण देकर ही विकसित भारत के संकल्प पूरे हो सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला केरल के लिए एक बड़ी राहत

पी. श्रीकुमारन

केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजने या मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक के उनके पास पहुंचने के एक महीने के भीतर निर्णय लेना होगा।

तमिलनाडु के सन्दर्भ में राज्य विधान सभाओं द्वारा पारित विधेयकों के मामले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए कार्रवाई करने के लिए समय–सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने केरल को एक बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक आदेश से उत्साहित केरल यह तर्क देने के लिए तैयार है कि तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को केरल के मामले में भी लागू किया जाना चाहिए और विधेयकों को राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की तिथि पर ही स्वीकृत माना जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि केरल ने पहले भी पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के इसी तरह के कृत्यों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। इसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा कई विधेयकों पर मंजूरी न देने के कृत्य के खिलाफ भी सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। केरल का तर्क इस प्रकार होगा। राज्यपाल द्वारा विधेयकों पर बैठे रहना और बाद में उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण था। राज्य द्वारा इस तथ्य को उजागर किया जायेगा कि राष्ट्रपति ने विधेयकों पर सहमति न देने का कोई कारण नहीं बताया था। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रपति को लंबित विधेयकों पर मंजूरी देने से इंकार करते समय स्पष्ट और पर्याप्त रूप से विस्तृत कारण बताने चाहिए। केरल के मामले में राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहे विधेयकों में शामिल हैं– विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक, 2021य विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 2) विधेयक, 2021य केरल सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2022य और विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 3) विधेयक, 2022, जिसे राज्यपाल ने राष्ट्रपति को भेजा था। इसके अलावा केरल राज्य निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) विधेयक, 2025य केरल राज्य बुजुर्ग आयोग विधेयक, 2025 और केरल औद्योगिक अवसंरचना विकास (संशोधन) विधेयक, 2024 भी मंजूरी के लिए लंबित हैं। केरल के तर्कों में एक निर्णायक बात यह होगीरू तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा तैयार किये गये दिशा–निर्देशों को अपनी शिकायतों पर लागू करने से पता चलेगा कि आरिफ मोहम्मद खान के कृत्य भी कानून की दृष्टि से गलत थे और इसलिए उन्हें रद्द किया जाना चाहिए। संयोग से, खान ने विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजा था, जब उन्होंने उन्हें अध्यादेश के रूप में प्रख्यापित किया था! महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत, जिसने राज्यपालों के लिए विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए समय–सीमा निर्धारित की है, ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनकी भूमिका तीन विकल्पों तक सीमित थीरू स्वीकृति देना, स्वीकृति रोकना या विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करना। यदि केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजने या मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक के उनके पास पहुंचने के एक महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। यदि वे मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक को तीन महीने के भीतर राज्य विधानमंडल को वापस करना होगा। राज्यपाल विधेयक को प्राप्त करने के तीन महीने के भीतर राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए भी सुरक्षित रखेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों से यह भी कहा है कि वे विधानमंडल द्वारा पुनरू पारित और पुनरू प्रस्तुत किये गये विधेयकों को एक महीने के भीतर मंजूरी प्रदान करें। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में, केरल जल्द ही राज्यपाल की मंजूरी के लिए विधेयकों को प्रस्तुत करेगा। इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुनरू अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को श्मंजूरीश मिल गयी है। एक अन्य घटनाक्रम में, केंद्रीय गृह मंत्रालय सर्वोच्च न्यायालय के 8 अप्रैल के फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर कर सकता है, जिसमें राज्यपालों द्वारा विधायी विधेयकों को बहुत लंबे समय तक मंजूरी न दिये जाने की स्थिति में न्यायिक हस्तक्षेप की अनुमति दी गयी है। केरल के राज्यपाल आर्लेकर ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की आलोचना करके पूरे मामले में एक नया आयाम जोड़ दिया है, जिसे उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार से परे बताया है। मीडिया को दिये साक्षात्कार में आर्लेकर ने कहा कि तमिलनाडु के मामले को संविधान पीठ को भेजा जाना चाहिए था। केरल के राज्यपाल का मानना था कि राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय–सीमा तय करना संविधान संशोधन के समान है, जो संसद का विशेषाधिकार है। राज्यपाल को एक निश्चित समय के भीतर कार्य करने के लिए कहने का संविधान में कोई प्रावधान नहीं है। आर्लेकर की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए केरल के कानून मंत्री पी. राजीव ने कहा कि राज्यपाल को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की आलोचना करने का पूरा अधिकार है। हालांकि, उन्होंने तर्क दिया कि सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय देश का कानून है, तथा सर्वोच्च न्यायालय को संसद द्वारा किये गये संवैधानिक संशोधनों की वैधता की समीक्षा करने का भी अधिकार है।

देश को एक ही फ्रेम में फिट करने की मनमानी

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर जिन्दगी नहीं गुजारनी पड़ती।श यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले। लगता है कि देश पर राज करने वालों ने अपने लिए एक फ्रेम बनवा ली है और फिर देश को हर हाल में उसी फ्रेम में फिट करने की जिद है, बिना इस बात की परवाह किये कि उनकी इस कोशिश में उसका मूल तत्व ही फ्रेम से छिटक रहा है, कट रहा है, टूट रहा है। यकायक यह कोशिश और तेज हो गई है। जैसे किसी राजा को यकीन दिला दिया गया हो गया हो कि ऐसा ना हुआ तो अनर्थ हो जाएगा। बेचौनी इन दिनों इस कदर बढ़ी है कि नागरिकों में डर बैठाया जा रहा है, खेमे बनाए जा रहे हैं। बस एक ही कोशिश कि बांटों बांटो और बांट दो! देश के कुछ हिस्से हिंसा की चपेट में हैं, निर्दोष नागरिक मर रहे हैं लेकिन चिंता बस फ्रेम की है। यह चिंता इतनी सघन और स्वनिर्मित है कि देश की जनता को मूल खतरों से आगाह ही नहीं किया जा रहा है। दुनिया की तमाम उथल–पुथल के बीच आर्थिक खतरों और मंदी की आशंका से देश को मजबूत करने की बजाय वह अफीम दी जा रही है, जिसमें देश सब दर्द भूलकर बस नारे लगाने लगता है। नेताओं को यह लंद–फंद अब रास आ गया है। यह झूठ है तो फिर क्यों एक तरफ तो हवाई अड्डे का शिलान्यास होता है और दूसरी ओर वह बात छेड़ दी जाती है जिस पर जब बहस हुई तो सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष दोनों गायब थे। वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर जिन्दगी नहीं गुजारनी पड़ती।श यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले। वक्फ संशोधन बिल दोनों सदनों में पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी भी पा गया लेकिन प्रधानमंत्री ने सदन की बहस में बोलना जरूरी नहीं समझा। यह अजीब ही रहा कि इस मुद्दे पर न तो सदन के नेता और न ही नेता प्रतिपक्ष ने संसद में अपनी बात कही। अब जब यह बयान आया है तब जाहिर है कि सभी विपक्षी दल इसकी तीखी आलोचना कर रहे हैं। उसका जिक्र यहां न भी किया जाए क्या तब भी एक महत्पूर्ण बिल संशोधन पर बात करते हुए देश के प्रधानमंत्री को अल्पसंख्यक समुदाय को यूं पंक्चर जोड़ने वाला कह देना क्या पद की गरिमा के अनुकूल कहा जाएगा? तब क्या कचरा,गटर साफ करने वाले,कंद–मूल खाने वाले जंगलवासी जैसे सम्बोधन भी समुदायों को इस बड़े पद से दिए जाएंगे? अव्वल तो किसी भी समाज के बारे में केवल एक काम के दायरे में लेकर बात करना कतई मुनासिब नहीं है। दूसरे, पंक्चर बनाने में बुराई ही क्या है? जैसे कि प्रधानमंत्री चाय बेचने का जिक्र भी गर्व से करते हैं क्योंकि वह भी एक काम है। सच है कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। बेशक काम न करना जरूर शर्म का पर्याय होना चाहिए। यूं पंक्चरवाले का जिक्र कतिपय नेता और सोशल मीडिया पर कुछ लोग एक समुदाय को ट्रोल करने के लिए करते हैं। यह शब्दावली गुजरात में 2002 के दंगों के बाद भी तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्तेमाल की थी। उन्होंने कहा था– प्रदेश की आबादी बढ़ रही है, गरीब तक धन नहीं पहुंच रहा है इसलिये वे पंक्चर बनाने के काम में लगे हैं। 2019 में कर्नाटक के भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का विरोध करने वालों को अशिक्षित और पंक्चर जोड़ने वाला बताया था। ऐसा ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 2024 में कह चुके हैं कि वोट बैंक की राजनीति में कांग्रेस ने मुसलमानों को पंक्चर वाला बना दिया। पंक्चर बनाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से अपनी बात इसी तरह रखती रही है। सवाल कांग्रेस से भी होने चाहिए कि अगर कोई व्यक्ति चाय बेचते हुए देश के सबसे बड़े पद पर पहुंच सकता है तो पंक्चर बनाने वाला क्यों नहीं पहुंचा? आखिर कौन इस तुष्टिकरण का लाभार्थी बना है? इसे मान भी लिया जाए तो अब तक ग्यारह सालों में क्यों भाजपा सरकार हालात को नहीं बदल पाई? क्या वाकई अब इस संशोधित बिल के बाद सरकार रॉबिनहुड की भूमिका में आ जाएगी जो वक्फ की हुई संपत्ति को दोबारा अपने हिसाब से पंक्चर बनाने वालों को वक्फ करेगी। इस संशोधित बिल पर दोनों सदनों में बहस के बाद अब देश के सर्वोच्च न्यायालय में बेहद गंभीर लेकिन रोचक बहस जारी है। कोर्ट ने कहा है कि संसद में पास कानून पर स्टे नहीं देते पर ये केस अपवाद है। सवाल पूछ लिए गए हैं कि श्बोर्ड के सदस्य को पांच साल से इस्लाम धर्म का अनुयायी होना चाहिएश की क्या परिभाषा होगीय वक्फ बोर्ड में हिन्दू सदस्य होंगे तो क्या हिन्दू धार्मिक बोर्ड में भी मुस्लिम सदस्य होंगेय कलेक्टर को सर्वोच्च अथॉरिटी कैसे बनाया जा सकता है? बहरहाल बहस में इसके जवाब मिलेंगे। फिलहाल तो यही सपना दिखाया जा रहा है कि इस तीसरे कार्यकाल में गाड़ियों के पंक्चर बनाने वाले खुद गाड़ियां बनाने–बेचने लगेंगे। इधर संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती शायद पूर्व कानून मंत्री और वर्तमान में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू को परेशान कर रही है। वे दोनों सदनों में बड़ी तैयारी से बहस में आए थे। तब उन्होंने यह भी बताया था कि किस तरह पुराने संसद भवन को भी वक्फ संपत्ति बताया जाता है और सेना के बाद वक्फ के पास तीसरी सबसे ज्यादा सम्पत्तियां हैं। हालांकि उनके इस दावे को भी लगातार चुनौती मिल रही है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को भी बोर्ड में रखने की बात कही थी। नया मोड़ यह है कि मंत्रीजी ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट विधायिका के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करेगा। कानूनविद इसे धमकी के दायरे में रख रहे हैं। वे कहते हैं कि किसी भी लोकतांत्रिक गणराज्य की यही शक्ति होती है कि जब भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों को चुनौती मिले वह न्याय का रुख कर सकें। न्यापालिका और विधायिका में टसल और बहस की गुंजाइश हमेशा रहती है लेकिन यदि इसे खत्म करने की कोशिश हुई तो आप सीधे आपातकाल को न्योता देंगे। वैसे अतीत में भी किरन रिजिजू की जुबां से ऐसे–ऐसे तीर निकले हैं जिसके बाद उन्हें कधनून मंत्री के पद से हटना पड़ा था। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में रिजिजू ने जजों की नियुक्ति के कॉलेजियम सिस्टम को संविधान के लिए श्एलियनश यानी अजनबी बताया था, रिटायर्ड जजों को देश विरोधी गैंग करार दिया था और उन्हें धमकी दे डाली थी कि जो लोग देश विरोधी काम कर रहे हैं उन्हें कीमत चुकानी होगी। रिजिजू ने कहा कि– जज यह ना कहें कि सरकार नियुक्ति से जुड़े फैसलों की फाइल पर बैठी रहती है, फिर फाइल सरकार को न भेजें। खुद को नियुक्त करें। खुद सारा शो चलाएं। मंत्री ने यह भी कहा था कि जजों ने संविधान को हाईजैक कर लिया है। रिजिजू के एक बयान से ऐसा भी जाहिर हुआ था कि वे लोकतंत्र के मुख्य स्तम्भों के समन्वय को ही नहीं समझना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा था– श्जज एक बार बनते हैं। उन्हें चुनाव नहीं लड़ना पड़ता। जनता उन्हें बदल नहीं सकती। जिस तरह जज काम करते हैं, इन्साफ करते हैं।

वक्फ कानून की विसंगतियां सामने आईं

पी. श्रीकुमारन

संसद द्वारा पिछले दिनों पारित किये गये वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ मिली लगभग 75 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने दो दिनों तक सुनवाई की। गुरुवार की सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार से एक हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। वहीं अगली सुनवाई 5 मई को होगी। इस कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं तथा सरकार का प्रतिनिधित्व महाधिवक्ता तुषार मेहता ने अदालत में किया। दोनों पक्षों के बीच हुई बहस और न्यायाधीशों द्वारा पूछे गये सवालों एवं उनके हस्तक्षेप के माध्यम से जो मुद्दे उभरे हैं वे साफ बताते हैं कि यह कानून धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है, साथ ही संविधान के मूलभूत सिद्धांतों, खासकर समानता व नागरिक अधिकारों पर प्रहार है। इस बेहद विवादास्पद कानून की वैधता पर फैसला जो भी आये, जिरह से साफ है कि संशोधित वक्फ कानून लोकतंत्र व संवैधानिक व्यवस्था में आस्था रखने वालों को संतुष्ट करने वाला कतई नहीं है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने जब बुधवार को सुनवाई प्रारम्भ की थी, तभी एडवोकेट सिब्बल ने इस कानून की अनेक विसंगतियों को सामने ला दिया। उन्होंने इसे 20 करोड़ लोगों की स्वतंत्रता एवं अधिकारों को हड़पने वाला कानून बताया और कहा कि यह धार्मिक आजादी तथा धार्मिक मामलों में प्रबंधन की स्वतंत्रता के विरूद्ध है। उन्होंने कानून की धारा 36 के हवाले से कहा कि सम्पत्ति न हो तो भी वक्फ बनाया जा सकता है और वह रजिस्टर्ड हो या न हो, यह वक्फ करने वाले पर निर्भर है। कानून में वक्फ को पंजीकृत करने की अनिवार्यता पर उन्होंने कहा कि वक्फ सैकड़ों साल पहले तब बनाये गये थे जब सम्पत्तियों का पंजीकरण नहीं होता था। स्वयं चीफ जस्टिस ने महाधिवक्ता के ध्यान में लाया कि बहुत सी मस्जिदें 13वीं से 15वीं शताब्दी के दौरान बनी हैं। अंग्रेजी शासनकाल के पहले पंजीकरण नहीं होता था तो उसका सेल डीड कैसे दिखाया जा सकता है। एक अन्य वकील हुफेजा अहमदी ने बतलाया कि सरकार ने धारा 3 के जरिये वक्फ की परिभाषा ही बदल दी है। सरकार द्वारा वक्फ के लिये इस्लाम में आस्था साबित करना भी अनिवार्य कहा गया है। उन्होंने सवाल किया– श्जब कोई जन्म से ही मुस्लिम है तो उसे आस्था को साबित करने की जरूरत ही क्या है। स्वयं सीजेआई ने बुधवार को सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या सरकार हिन्दू ट्रस्टों मे गैर मुसलमानों को रखेगी, जिसके जवाब में तुषार मेहता का जवाब हास्यास्पद व टालमटोल करने वाला था। उनके अनुसार किसी ट्रस्ट में गैर हिन्दू सदस्य हो भी सकते हैं और नहीं भी। इस मुद्दे पर तुषार मेहता की यह टिप्पणी अप्रिय रही जिसमें उन्होंने यह कहा कि इस हिसाब से तो इस मामले पर कोई गैर मुसलिम जस्टिस भी सुनवाई नहीं कर सकते। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि कोर्ट के जज जब कोई धार्मिक विवाद को सुनते हैं तो निजी आस्थाओं से ऊपर उठकर तथा कानून के अनुसार ही फैसले देते हैं। सॉलिसिटर जनरल की जस्टिसों पर हुई निजी टिप्पणी बतलाती है कि वे इस मामले के कमजोर जमीन पर खड़े होने से वाकिफ हैं। ऐसे ही, शीर्ष कोर्ट की बेंच ने कहा कि कोई सम्पत्ति वक्फ की है या नही, यह सिविल कोर्ट को ही तय करने दिया जाये तो बेहतर। नये कानून में यह अधिकार कलेक्टर के पास चला गया है। जब एड. मेहता ने कहा कि उपयोगकर्ता द्वारा 1925 के पहले भी वक्फ स्वीकार किया जाता था, तो बेंच ने पूछा कि नये कानून में उसे अपंजीकृत किया जायेगा या शून्य माना जायेगा। इसका भी संतोषजनक जवाब मेहता के पास न होना बताता है कि सरकार यह बिल पर्याप्त तैयारियों के बिना ही लायी है और जैसे कि सरकार संसद में दावा करती रही है कि इसका उद्देश्य वक्फ का फायदा मुस्लिमों को दिलाना है, कहीं परिलक्षित नहीं होता। रेलवे व सेना के बाद वक्फ के पास सबसे ज्यादा जमीनें होने पर भी जिस तरह से सरकार व भारतीय जनता पार्टी जोर देती रही है, वह यह दर्शाता है कि उनकी निगाहें वक्फ की जमीनों को हथियाना है। वक्फ बाय यूजर इस कानून का सबसे नाजुक बिन्दु है। जो सम्पत्ति धार्मिक कामों के लिये इस्तेमाल में लाई जा रही है परन्तु रजिस्टर्ड नहीं है, वह वक्फ बाय यूजर कहलाती है। नये कानून में सरकार उसे ले सकती है। हालांकि यह सभी धर्मों की सम्पत्तियों के मामले में है (हिन्दू, सिख, जैन, बौद्ध) लेकिन सरकार ने यह प्रावधान मुसलमानों के धार्मिक न्यासों के लिये लाकर बता दिया है कि इस कानून का उद्देश्य साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण भी है। वक्फ कानून पर सुनवाई की अगली तारीख देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने निर्देश दिये कि इस बीच केन्द्रीय वक्फ परिषद तथा बोर्डों में कोई नियुक्तियां नहीं होनी चाहिये। बेंच ने यह भी कहा कि इतनी सारी याचिकाओं पर सुनवाई सम्भव नहीं है, इसलिये कोर्ट केवल 5 याचिकाओं को सुनेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 8 अगस्त को केन्द्र सरकार ने लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पेश किया था जिसका उद्देश्य वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन कर वक्फ की सम्पत्तियों में पारदर्शिता तथा सुप्रबन्धन लाना बतलाया गया था। इसमें वक्फ कानून 1923 को रद्द करने का भी प्रस्ताव है। इस कानून का संसद के भीतर और बाहर तत्काल कड़ा प्रतिरोध हुआ था। अगले दिन इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया था लेकिन इसमें सरकार का बहुमत होने तथा उसके अड़ियलपन के कारण विपक्ष की सिफारिशें अनसुनी कर दी गयीं। कुल 44 संशोधनों की सिफारिश की गयी थी परन्तु समिति ने 14 ही स्वीकृत किये। इसी माह की 3 व 4 को क्रमशरू लोकसभा तथा राज्यसभा में इस कानून को पारित कर दिया गया। इसके खिलाफ मुस्लिमों के संगठनों ने प्रदर्शन भी किये। उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला अल्पसंख्यकों की आजादी की रक्षा करेगा।

फातिमा सना शेख ने प्यार, ब्रेकअप, करियर और अन्य विषयों पर बात की

फातिमा सना शेख फ्रंटफुट पर खेलती हैं और सुमन शर्मा की प्रेम, ब्रेकअप, करियर और जीवन से जुड़ी गुगली और बाउंसरों को पार्क के बाहर भेज देती हैं। फातिमा सना शेख ने प्यार, ब्रेकअप, करियर और अन्य विषयों पर बात की फातिमा सना शेख, ज्यादातर फातिमाओं की तरह, अपने दोस्तों द्वारा फैटी कहलाती हैं। वह खिलखिलाकर कहती हैं कि यह उपनाम उन्हें जिम में अतिरिक्त प्रेरणा देता है। वह एक समर्पित खाने की शौकीन हैं और अपने उपनाम के बावजूद, उनका शरीर एक घोड़े या बल्कि एक बछेड़ी जैसा है, क्योंकि उन पर कभी कुछ भी नहीं दिखता है। वह अभी भी वैसी ही दिखती हैं जैसी वह कॉलेज में दिखती थीं, भले ही वह 30 के दशक में हैं। दंगल अभिनेता ने खुद को बहुत गंभीरता से नहीं लेना सीख लिया है। उसका एकमात्र लक्ष्य प्रत्येक प्रोजेक्ट के साथ बढ़ते रहना और लंबे समय तक प्रासंगिक बने रहना है। जब हम बात करते हैं तो वह अपने सबसे अच्छे रूप में होती हैं... के साथ... मैं इसका श्रेय कमल हसन सर को देती हूं, मुझे अभी भी याद है कि चाची 420 के दौरान वे इतने पावरहाउस थे, मैं दंग रह गई थी। मैं छोटी थी लेकिन सेट पर सबसे खराब डेट तब थी जब यह लड़का मुझे डेट के लिए बीयर ब्रूअरी ले गया था। जो ठीक है। लेकिन मैं शराब नहीं पीता। खासकर तब नहीं जब कोई मुझे मजबूर कर रहा हो। सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात यह थी कि पूरी शाम वह इस बात पर जोर देता रहा कि मैं कम से कम एक पैग तो पी लूँ। मैं उसके साथ फिर कभी डेट पर नहीं गया। मेरी सबसे अच्छी डेट घर पर ही रही है जब मैंने कुछ खाना बनाया और घंटों बातचीत की और फिर बीच पर टहलने के साथ इसे खत्म किया। क्या आप पहली नजर में प्यार में यकीन रखते हैं? मैं प्यार में यकीन रखता हूँ। पहली नजर और फिर दस लाखवीं नजर। क्या आप मानते हैं कि प्यार अंधा होता है? यह एक ही एहसास में खूबसूरत चीजों को समेटे हुए है। अंधा इतना नहीं। मोमबत्ती की रोशनी में डिनर या बीच पर टहलना? पहाड़ों पर कभी भी। लेकिन अगर मुझे चुनना हो, तो बीच ही हूं। एक काल्पनिक जगह जहां आप प्यार करना चाहेंगे. .. बीच पर। लेकिन एयर कंडीशनिंग के साथ। क्या होगा अगर कोई लड़की आप पर डोरे डाले?मुझे खुशी होगी... एक आदमी में आपको सबसे ज्यादा कौन सा गुण पसंद है? एक लड़का जो लोगों का सम्मान करना जानता हो, जानवरों से प्यार करता हो, अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर रखता हो और सहज हो। मुझे सख्त लोग पसंद नहीं हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसे अच्छी खुशबू आनी चाहिए। एक आदमी की कौन सी बात आपको पसंद नहीं है? शरीर की गंध और सांसों की बदबू ऐसी चीजें हैं, जिनसे मैं निपट नहीं सकती। यह भी देखें रू एक्सक्लूसिवरू फातिमा सना शेख ने आमिर खान के साथ लिंक–अप की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी आपके कितने दिल टूटे हैं? कल ही मेरा एक दिल टूटा कभी भी समझौता न करें और यदि यह सही न लगे तो इससे दूर जाने का साहस रखें। फातिमा सना शेख ने अपने प्यार के बारे में बात कीतीन मशहूर हस्तियाँ जिनके साथ आप बाहर जाने के लिए जान भी दे सकते हैं... लुईस हैमिल्टन, लेडी गागा और एंड्रयू ह्यूबरमैन जब आप सेक्सी महसूस करना चाहते हैं, तो आप क्या पहनते हैं? साड़ी! अच्छा महसूस करने के लिए मैं यही पहनता हूँ। आपको किस चीज की लत है? कॉफी, पहाड़ियाँ और मेरा कुत्ता बिजलीय यही मेरी परफेक्ट छुट्टी भी है। क्या आपने कभी एक अभिनेता के रूप में असुरक्षित महसूस किया है? नहीं, बिल्कुल नहीं। कॉफी मदद करती है। अमेरिकी न्यूरोसाइंटिस्ट एंड्रयू ह्यूबरमैन अभिनेत्री लेडी गागा एक अफवाह जो आप शुरू करना चाहेंगे... मैं एक सुपरहीरो हूँ। और मेरी सुपरपॉवर है दुनिया की सारी मिठाइयाँ खाना और वजन न बढ़ाना। अगर आपकी जिंदगी एक फिल्म होती, तो कौन सी फिल्म होती? मुझे कोई खघस नहीं सूझ रहा।अगर कोई गाना आपकी जिंदगी को बयां करता, तो वो कौन सा गाना होता? वो होगा श्लड़की बड़ी अनजानी हैश। आपकी जिंदगी के लिए एक अच्छा थीम सॉन्ग कौन सा होगा? (हँसते हुए) क्या आपने शिन चौन देखी है? उसका थीम सॉन्ग। लेकिन शिन चौन के नाम की जगह मेरा नाम रख देना। एक हॉलीवुड फिल्म जिसका आप रीमेक बनाना चाहेंगे... एक शो है जिसका नाम है इनवेंटिंग अन्ना। मैं उस किरदार की दीवानी हूँ। मैं उसे निभाना पसंद करूँगी। फातिमा सना शेख एक्सक्लूसिव इंटरव्यू वह कौन सी भूमिका है जिसे छोड़ देने का आपको अफसोस है? कोई नहीं। मैंने हमेशा अपने अंतर्ज्ञान पर काम किया है और मुझे अपनी प्रत्येक फिल्म पर गर्व है। आप एक स्टार की तरह महसूस करते हैं जब... मुझे नहीं पता कि एक स्टार कैसा महसूस करता है। मैं तब खास महसूस करता हूं जब लोग मुझे मेरे काम के लिए पहचानते हैं। यहीएकमात्र भावना है जिससे मैं खुद को पहचानता हूं। क्या आपके पास कोई दोषी खुशी है ? मुझे पहाड़ पसंद हैं, इसलिए जब पहाड़ मुझे बुलाते हैं तो मैं सबकुछ छोड़कर धर्मशाला चला जाता हूं। और पानी पूरी मेरा परम प्यार । आपके लिए दोस्ती है एक अपूरणीय बंधन जो वफादारी और विश्वास पर बना है। आप इसे तोड़ते हैं, आप इसे खो देते हैं! लोगों को आपके बारे में क्या एक बात गलत लगी है? यह कि मैं बहुत गंभीर व्यक्ति हूं। एक अफसोस जो आपको बड़े होने पर नहीं होना चाहिए... कि मैंने उन चीजों का प्रयास नहीं किया जो मैं हासिल करना चाहता था क्योंकि मैं असफलता से डरता था मेरा सबसे बड़ा डर है अपने प्रियजनों को खोना। अगर कोई एक अवैध काम हो जिसे आप कर सकते हैं और उससे बच सकते हैं, तो वह क्या होगा? स्काईवॉकिंग। यह मूल रूप से स्मारकों और संरचनाओं पर बाहर से चढ़ना है... यह बेहद असुरक्षित और अवैध है। लेकिन अपने शरीर के साथ पूरी तरह से तालमेल बिठाने और ऐसा करने में सक्षम होने का विचार रोमांचक है । आपके जीवन का एक शर्मनाक क्षण जो अभी भी आपको परेशान करता है... मैं अपने दोस्तों के साथ था जो मुझसे बड़े थे और वे सभी दूसरी तरफ जाने के लिए एक गटर पर कूद रहे थे। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं ऐसा नहीं कर पाऊंगा क्योंकि मैं बहुत छोटा था और अंतर बहुत बड़ा था। और इससे मैं नाराज हो गया। इसलिए पहले तो मैंने उनसे लड़ाई की और उन्हें कहा कि मैं कूद सकता हूँ। लेकिन जब मैंने छलांग लगाई। मैं सीध ा गटर में गिर गया। इतना अहंकारी होने के लिए इतना कुछ। आपको कौन सा बिल चुकाना सबसे ज्यादा नापसंद है? सभी बिल। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की कल्पना नहीं कर सकता जो बिल चुकाना पसंद करता हो। आपने अपने माता–पिता से कौन सा झूठ बोला था ? मैं दूसरे शहर में एक संगीत कार्यक्रम में भाग लेने गया था और उन्हें इस बारे में कुछ भी पता नहीं था। मैंने उन्हें बताया कि मैं एक दोस्त के घर पर रह रहा हूँ और मैंने एक अनजान लड़की से उनसे बात की। अगर आपके पास जीने के लिए सिर्फ 24 घंटे हैं तो आप क्या करेंगे? पल का आनंद लें और उन सभी के साथ जश्न मनाएँ जिन्हें मैं प्यार करता हूँ। मुझे लगता है कि हम उन लोगों का योग हैं जिन्हें हम प्यार करते हैं। आपकी अलमारी में सबसे कीमती चीज क्या है? ऐसी कोई चीज नहीं।

एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने हाल ही में साउथ इंडस्ट्री के बारे में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री का काला चिट्ठा खोलते हुए कहा है कि वहां कॉन्ट्रैक्ट में साफ–साफ लिखा होता है कि एक्टर, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर के साथ कॉम्प्रोमाइज करना होगा। चाहत खन्ना ने इस बात का खुलासा हाउटरफ्लाई के साथ बातचीत के दौरान किया। एक्ट्रेस ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच पर खुलासा करते हुए बताया कि वहां काम करने से पहले ही कॉम्प्रोमाइज के बारे में पूछ लिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह सारी चीजें वहां सरेआम होती हैं। कान्ट्रैक्ट साइन करने से पहले ऐसी बातें आपस में हो ही जाती है। कान्ट्रैक्ट में साफ लिखा होता है आपको कॉम्प्रोमाइज करना होगा।चाहत खन्ना ने बॉलीवुड में कास्टिंग काउच के बारे बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि बॉलीवुड में भी ऐसा होता है, लेकिन यहां के तरीके कुछ अलग है।

अभिजीत भट्टाचार्य और शाहरुख खान ने मिलकर बॉलीवुड को मेमोरेबल सॉन्ग दिए हैं. अभिजीत की सिंगिंग और शाहरुख की एक्टिंग ने मिलकर गानों को हिट बना दिया. हालांकि, अब शाहरुख और अभिजीत के बीच में पहले जैसा रिश्ता नहीं रहा है. दोनों के बीच में चीजें अब उतनी अच्छी नहीं है. हाल ही में अभिजीत ने शाहरुख खान पर तंज कसते हुए कहा कि सबकुछ तो शाहरुख ने ही किया है. शाहरुख खान को लेकर अभिजीत भट्टाचार्य ने कहा ये बातचीत में अभिजीत भट्टाचार्य ने शाहरुख खान को लेकर कहा, श्हमारे बीच कोई रिलेशनशिप ही नहीं है. मिले हैं एक दो बार. हैलो हाय. जितनी देर आपके साथ अभी बैठा हूं उतना कभी नहीं बैठा शाहरुख के साथ. मेरा और शाहरुख का अलग केस है. हम लोग ऐसे हैं जैसे जुड़वा हैं. मतलब आवाज से ऐसा लगेगा. मुझे अब एहसास होता है कि ये सारे गाने मेरे नहीं है. ये गाना शाहरुख ने गाया है. ये गाना शाहरुख ने लिखा है. ये म्यूजिक शाहरुख ने बनाई है. ये फिल्म शाहरुख ने बनाई है. सिनेमैटोग्राफर शाहरुख है. सबकुछ शाहरुख ही तो है. तो मैं क्या करूं. लोग बोलते हैं आपका और शाहरुख का गाना...तो मुझे एहसास होता है कि ये गाना मेरा नहीं है. सब कुछ वो ही है तो भाई मैं क्या करूं.श अभिजीत ने 2003 में आई फिल्म चलते चलते के बारे में कहा कि ये फिल्म एवरेज थी लेकिन फिल्म के गाने हिट थे। सिर्फ गाने ही हिट थे. पर अब क्या कर सकते हैं. बता दें कि अभिजीत ने शाहरुख के लिए कई हिट गाने गाने हैं. उन्होंने जरा सा झूम लूं मैं, वादा रहा सनम, बादशाह ओ बादशाह, वो लड़की जो सब से और तौबा तुम्हारे ये इशारे जैसे गाने गाए हैं. सभी गानों को काफी पसंद किया गया था. सनातन धर्म को लेकर अभिजीत ने कहा ये अभिजीत भट्टाचार्य ने सनातन धर्म के बारे में भी बात की।

उत्तराखंड में बद्रीनाथ के पास मेरे नाम का मंदिर है..., उर्वशी रौतेला ने किया दावा, कहा- एक साउथ में भी होना चाहिए

उर्वशी रौतेला एक बार फिर सुर्खियों में हैं और इस बार उन्होंने एक चौंकाने वाला दावा किया है। अभिनेत्री ने हाल ही में खुलासा किया कि उत्तराखंड में उनके लिए एक मंदिर बनाया गया है और अब उन्हें उम्मीद है कि दक्षिण भारत में भी उनके सम्मान में एक मंदिर बनाया जाएगा। सिद्धार्थ कन्नन के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में उर्वशी ने दावा किया, उत्तराखंड में मेरे नाम पर एक मंदिर है। अगर कोई बद्रीनाथ जाता है, तो उसके ठीक बगल में एक उर्वशी मंदिर है।

सिद्धार्थ, हमारी तरह, उर्वशी द्वारा किए गए इस आकस्मिक रहस्योद्घाटन से काफी हैरान थे और उन्होंने एक बार नहीं, दो बार नहीं, बल्कि तीन बार उनसे पुष्टि करने का प्रयास किया कि क्या वह गंभीर हैं। और हर बार मेगा–स्टार ने अपने आप में कहा, हां, उर्वशी मंदिर वहां पे है।

उर्वशी रौतेला ने सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में कहा, उत्तराखंड में मेरे नाम पर उर्वशी नाम का एक मंदिर पहले से ही मौजूद है। जब आप बद्रीनाथ मंदिर में दर्शन करने जाते हैं, तो उसके ठीक बगल में एक मंदिर होता है, जिसका नाम उर्वशी है। और यह मुझे समर्पित है। मेरी बस यही इच्छा है कि जैसे करीब डेढ़ साल के अंतराल में मैंने मेगा स्टार चिरंजीवी के साथ डेब्यू किया। फिर मैंने पवन कल्याण गाः के साथ काम किया। फिर मैंने बाला बाबू के साथ काम किया। अब मेरी बस यही इच्छा है कि अगर उनके पास भी मंदिर हैं, तो साउथ में भी मेरे फैन्स के लिए ऐसा ही कुछ होना चाहिए। जब होस्ट ने पूछा कि क्या लोग आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर जाते हैं, तो उर्वशी ने हंसते हुए जवाब दिया, अब जब मंदिर है, तो वे ऐसा ही करेंगे। इसके बाद सिद्धार्थ ने उनसे पूछा कि क्या लोग उनसे आशीर्वाद मांगते हैं, तो उर्वशी ने कहा कि ऐसे कौन चिल्लाता है? उन्होंने कहा कि लोग मंदिर में प्रार्थना करते हैं और दावा किया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र भी उनसे प्रार्थना करते हैं और उनकी तस्वीरों पर माला चढ़ाते हैं। उर्वशी ने कहा कि वे उन्हें दमदमा माई कहते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह खुद को भगवान मानती हैं, तो उन्होंने कहा कि वह हर लड़की को भगवान का रूप मानती हैं। उन्होंने कहा, कोई भी लड़की देवी हो सकती है।

किसी और के लिए, कथित तौर पर उनके नाम पर एक मंदिर होना शायद आध्यात्मिक उपलब्धि के लिए पर्याप्त होता। लेकिन उर्वशी उर्वशी होने के नाते अपनी इच्छा व्यक्त करती हैं कि दक्षिण में भी उनके नाम पर एक मंदिर हो। कारण? ऐसा इसलिए है क्योंकि उनका करियर हाल ही में वहां तेजी से बढ़ रहा है और इसलिए वह चाहती हैं कि उनके प्रशंसकों के पास जाने के लिए एक जगह हो, ठीक वैसे ही जैसे कि अब तक उनके साथ काम करने वाले उद्योग के दिग्गजों के प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा, डेढ़ साल के अंतराल में, मैंने मेगास्टार चिरंजीवी के साथ अपनी शुरुआत की। फिर मैंने पवन गरू कल्याण के साथ काम किया, दो फिल्मों में, फिर मैंने बलाया बाबू के साथ काम किया। मेरी बस यही चाह है कि उनके भी मंदिर हैं तो साउथ में ऐसा कुछ हो, मेरे प्रशंसकों के लिए, वहां पे कुछ हो।

बता दें कि एक्ट्रेस ने सनी देओल और रणदीप हुड्डा की फिल्म जाट में एक आइटम सॉन्ग किया है और इस वजह से भी वह चर्चा में रही हैं। उन्हें आखिरी बार नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म डाकू महाराज में देखा गया था।

बार-बार हिचकी आने से हालत हो गई है खराब तो राहत देंगे ये घरेलू उपाय

अक्सर कहा जाता है कि व्यक्ति को हिचकी तब आती है जब उसे उसका कोई अपना याद कर रहा होता है। अगर आप भी अब तक ऐसा ही मानते आए हैं तो इस खबर को पढ़ने के बाद शायद ही अगली बार ऐसा कुछ कहेंगे। जी हां, साइंस की मानें तो हिचकी आने का मुख्य कारण डायफ्राम में सिकुड़न,गैस, पाचन में गड़बड़ी, गर्दन में किसी प्रकार का ट्यूमर या गांठ या मस्तिष्क में चोट हो सकता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को लगातार हिचकी आती रहती है। आमतौर पर हिचकी थोड़ी देर बाद खुद ही ठीक हो जाती है। लेकिन आपको अगर लगातार हिचकी आ रही हैं तो आप ये आयुर्वेदिक उपाय अपनाकर इस समस्या को दूर कर सकते हैं।

हिचकी रोकने के घरेलू नुस्खे-

हींग और घी-

कई बार पेट में गैस बनने पर भी हिचकी की समस्या परेशान कर सकती है। ऐसा होने पर आप हींग और घी के इस नुस्खे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस उपाय को करने के लिए एक चम्मच घी में 2-3 चुटकी हींग मिलाकर गैस पर गर्म कर लें। अब इसे एक गिलास छाछ में मिलाकर पी जाएं। दिन में 2 बार इसे पीने से हिचकी रोकने में काफी सहायता मिलेगी।

काली मिर्च-

बार-बार हिचकी आने पर काली मिर्च का सेवन करें। इस उपाय को करने के लिए 2-3 काली मिर्च के दाने लेकर उसमें आधा चम्मच चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। ऐसा करने से हिचकी जल्दी रुक जाती है।

ठंडे पानी से गरारे-

बार-बार हिचकी आने पर आप ठंडे पानी से गरारे करें। ऐसा करने से हिचकी रोकने में मदद मिलती है। दरअसल, ठंडे पानी के गरारे करने से मांसपेशियां शांत हो जाती हैं, जिससे हिचकी रूक सकती है।

ये अन्य उपाय भी हैं कारगर-

पेपर बैग का इस्तेमाल-

एक पेपर बैग लेकर उसमें सांस फूंकने की कोशिश करें। ऐसा करते हुए अपनी नाक और मुंह को पेपर बैग से ढक्कर ही सांस अंदर लें और छोड़ें। ऐसा करने से भी हिचकी रुक जाती है। लेकिन ऐसा करते हुए इस बात का ध्यान रखें कि आप जिस बैग में सांस ले और छोड़ रहे हैं वो प्लास्टिक की थैली का नहीं बल्कि पेपर का ही बना हुआ हो।

-हिचकी न रुकने पर गहरी सांस लेकर उसे कुछ सेकंड के लिए रोककर रखें। एक रिसर्च के अनुसार फेफड़ों में जब कार्बन डाइऑक्साइड भर जाती है तो उसे डायफ्राम बाहर निकालता है। जिसकी वजह से हिचकी रुक जाती है।

डॉक्टर की सलाह-

आमतौर पर हिचकी को एक आम समस्या समझा जाता है। जो थोड़ी देर बाद ठीक भी हो जाती है। लेकिन यदि किसी व्यक्ति को बार-बार और कई घंटे तक लगातार हिचकी आती रहे तो ये खतरे की तरफ इशारा हो सकता है। हिचकी के साथ अगर बुखार, दर्द और जी मतलाना और सांस लेने में भी कठिनाई महसूस हो रही हो तो डॉक्टर को दिखाने में देर न करें।

रात की बची रोटी से बनाएं पनीर रोल, तंदूरी स्वाद लगता है लाजवाब

रात की बची रोटियों को अगले दिन कोई भी खाना पसंद नहीं करता है। लेकिन जब आप इसकी मदद से एक टेस्टी डिश तैयार करेंगे, तो हर कोई इसे और खाने की मांग करेगा। यहां हम बता रहे हैं बासी रोटी से तंदूरी पनीर रोल बनाने की रेसिपी। ये स्वाद में लाजवाब लगती है, और इसे आप सुबह के नाश्ते में बच्चों-बड़ों को सर्व कर सकते हैं। यहां देखिए इसे बनाने का तरीका-

इसे बनाने के लिए आपको चाहिए

- बासी रोटी
- धनिया की चटनी
- दही
- पनीर
- कद्दूकस किया हुआ अदरक
- कद्दूकस किया हुआ लहसुन
- लाल मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- गरम मसाला
- जीरा पाउडर
- तंदूरी मसाला
- नमक
- प्याज
- घी

कैसे बनाएं

– इसे बनाने के लिए एक बर्तन में दही लें और फिर इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, गरम मसाला, तंदूरी मसाला, कद्दूकस किया हुआ अदरक, कद्दूकस किया हुआ लहसुन और नमक स्वादानुसार डालें और अच्छे से मिक्स करें।

– इस पेस्ट में पनीर के कुछ क्यूब्स डालें और फिर से एक बार मिक्स करें। फिर एक पैन में घी गर्म करें और पनीर को थोड़ा सेक लें। 3 से 4 मिनट में इसे उतार लें।

– अब बासी रोटी लें और फिर उस पर हरी चटनी लगाएं। एक तरफ पनीर के मिश्रण को फैलाएं और फिर ऊपर से थोड़ा प्याज डालें। फिर रोटी को रोल करें।

वजन घटाने के लिए नाश्ते में खाएं ये चीजें, गलत ऑप्शन चुनना पड़ेगा भारी

वजन कम करने वाले के सामने अक्सर यह कन्फ्यूजन होता है कि क्या खाएं और क्या न खाएं। कई बार कुछ चीजें हेल्दी तो होती हैं पर उनका कैलोरी काउंट ज्यादा होता है। अनजाने में लोग ऐसी फूड्स खा लेते हैं जो उनके वेट लॉस गोल्स पर पानी फिर जाता है। अगर आप ऐसा सोचते हैं कि वजन घटाने के लिए ब्रेकफास्ट ही स्किप कर देना चाहिए तो यह भी गलत है। वजन कम करने का सबसे अच्छा तरीका है कि हेल्दी खाते हुए कैलोरी काउंट कम कर दें। यहां आपकी मदद के लिए हैं कुछ ब्रेकफास्ट आइडियाज। आप वेट कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो इन्हें ट्राई कर सकते हैं।

पोहा

पोहा जल्दी बन जाता है। इसमें आप ढेर सारी सब्जियां डालकर इसकी न्यूट्रीशन वैल्यू बढ़ा सकते हैं। पोहे को जरा से तेल में बनाएं तो एक कप पोहे में 160 कैलोरीज होती हैं। इसमें आप मूंगफली, पनीर, स्प्राउट्स, अनार, मटर, गाजर, टमाटर जैसी कई पौष्टिक चीजें डाल सकते हैं।

इडली-सांभर

वेट लॉस करने वालों के लिए इडली-सांभर बेस्ट नाश्ता है। यह प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर्स, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स और प्रोबायोटिक्स का बढ़िया कॉम्बिनेशन है। आप इडली के बैटर के लिए मल्टीग्रेन्स भी यूज कर सकते हैं।

ऑमलेट

अगर आप अंडा खाते हैं तो आप अंडों का ऑमलेट बना लें। इसे हल्का घी लगाकर बना लें तो गुड फैट भी बॉडी में पहुंचेगा। आपको उबले अंडे पसंद हैं तो वो भी खा सकती हैं।

मल्टी ग्रेन पराठा

मल्टी ग्रेन पराठा भी वेट लॉस करने वालों के लिए अच्छा ब्रेकफास्ट है। आप इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू बढ़ाने के लिए ब्रोकली भी भर सकते हैं।

स्प्राउट्स की सलाद

स्प्राउट्स में भी कई तरह के माइक्रोन्यूट्रिएंट्स और ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। आप मूंग की दाल को अंकुरित करके इसमें प्याज, टमाटर, सेब, अनार वगैरह के साथ मिलाकर खा सकते हैं। चाहें तो इसमें नींबू और चाट मसाला भी डाल लें।

यहां बताए गए ब्रेकफास्ट ऑप्शंस के साथ आप दही, छाछ या कॉफी ले सकते हैं। कॉफी में चीनी न डालें।

लो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए बेस्ट है आयुर्वेद का ये नुस्खा, फौरन मिलेगा फायदा

बेहतर स्वास्थ्य के लिए ब्लड प्रेशर का कंट्रोल में होना आवश्यक होता है। लेकिन कई कारणों से ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। बल्ड प्रेशर के लो या हाई होने पर सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है। आपको बता दें कि किसी भी स्वस्थ व्यक्ति का नॉर्मल ब्लड प्रेशर 120/80mm Hg होना चाहिए। जब किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर 90/60 उउ भ्ह से नीचे चला जाता है। तब इसको लो ब्लड प्रेशर या लो बीपी व हाइपोटेंशन भी कहा जाता है।

लो ब्लड प्रेशर के लक्षण

जब किसी व्यक्ति को बल्ड प्रेशर कम हो जाता है तो उसे कई समस्याएं हो सकती हैं। लो ब्लड प्रेशर होने पर व्यक्ति को थकान, कमजोरी, बेचैनी, धुंधला दिखना, उलझन, ध्यान लगाने में परेशानी, मतली जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

इलाज

लो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के कई उपाय हैं। वहीं आप डॉक्टर की मदद से भी ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए आयुर्वेद डॉक्टर दीक्षा भावसार द्वारा बताए गए ब्लड प्रेशर के सस्ते और असरदार उपाय बताने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आप बी लो ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान हैं तो इन उपायों को आजमा सकते हैं।

हिमालयी नमक

डॉक्टर दीक्षा भावसार के मुताबिक एक गिलास सादे पानी में आधा चम्मच हिमालयन नमक मिलाकर पीना चाहिए। इससे आपको लो ब्लड प्रेशर में राहत मिलेगी। आयुर्वेद के अनुसार, हिमालयन नमक सेहत के लिए फायदेमंद होता है और इसमें तीन दोषों को संतुलित करने की क्षमता पाई जाती है।

कंट्रोल में रखता है ब्लड प्रेशर

हिमालयन सेंधा नमक पोटेशियम का अच्छा स्त्रोत माना गया है। यही कारण है कि इसकी मदद से ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है। अगर आपके परिवार के किसी भी सदस्य का अचानक से ब्लड प्रेशर कम हो जाए तो आप इस नुस्खे का उपयोग कर सकते हैं। जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में आ जाएगा।

हिमालयन नमक के फायदे

हिमालयन नमक को गुलाबी नमक भी कहा जाता है। हिमालयन नमक स्वाद में नमकीन होने के साथ ही थोड़ा मीठा भी होता है। साथ ही इसकी तासीर ठंडी होती है और यह आसानी से पच जाता है। सैंधव लवण की तासीर ठंडी होने के चलते यह पित्त को भी संतुलित करने में सहायक होता है। हिमालयन नमक त्वचा रोगों के लिए भी एक बढ़िया ऑप्शन है।

छाती की जकड़न

डॉक्टर ने बताया कि हिमालयन नमक का स्वाद नमकीन होने के कारण यह वायु को संतुलित करता है। यह नमक थूक को बाहर निकालकर सीने की जकड़न को दूर करने में सहायक होता है। इसके अलावा कफ में भी राहत मिलती है।

हाइड्रेटेड

हिमालयन नमक के पानी का सेवन स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह विषाक्त पदार्थों को बॉडी से बाहर निकालने में मदद करता है। साथ ही आपकी बॉडी को हाइड्रेट करने में मदद करता है। हिमालयन नमक उन मिनरल्स की भरपाई करता है जो खो जाते हैं।

गले की खराश और खांसी का इलाज

अगर आप भी गले की खराश से परेशान हो गए हैं तो पानी में हल्दी और हिमालयी नमक मिलाकर गरारे करने से खराश में राहत मिल सकती है। इसमें पाए जाने वाले डिकंजेस्टेंट गुण आपकी बंद नाक और खांसी से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह नाक और गले की कैविटी को भी साफ करता है।

फूलों से महकाएं अपना आशियाना, गर्मियों के मौसम में घर में जरूर लगाएं ये 6 फूल

घर हर कोई अपने अनुसार सजाना पसंद करता है कोई हरे-भरे पौधों के साथ तो कुछ लोग रंग-बिरंगे फूलों के साथ अपना आशियाना सजाते हैं। ऐसे में अगर आपको भी रंग-बिरंगे फूल अपने घर में लगाने पसंद है को गर्मियों में आप इन फूलों के साथ अपना आशियाना सजा सकते हैं। इससे आपका घर भी रंग-बिरंगा दिखेगा और इन फूलों की खासियत यह है कि यह गर्मियों की कड़कड़ाती धूप में खराब भी नहीं होंगे। तो चलिए आपको बताते हैं ऐसे फूल जिन्हें आप घर में लगा सकते हैं...

सूरजमुखी का फूल

आप घर में सूरजमुखी का फूल लगा सकते हैं। इस फूल को उगने के लिए तेज धूप की जरुरत होती है ऐसे में इस मौसम में अच्छी धूप मिल जाएगी और आप आसानी से इसे घर में लगा सकते हैं।

गुड़हल का फूल

इस मौसम में आप गुड़हल का फूल लगा सकते हैं यह देखने में भी बहुत ही सुंदर होता है। यह कई तरह के रंगों में पाया जाता है। ऐसे में आप लाल रंग का फूल अपने घर में लगा सकते हैं।

गेंदे का फूल

गेंदे का फूल खूबसूरत होने के साथ-साथ खुशबूदार भी होता है। ऐसे में इसे आप घर में आसानी से लगा सकते हैं। घर के बगीचे में इसे लगाकार आप खुशबूदार और खूबसूरत बना सकते हैं।

ओलियंडर

ओलियंडर का फूल आप घर में लगा सकते हैं। इस पौधे पर फूल सिर्फ गर्मियों में ही खिलते हैं ऐसे में आप इसे अपने घर में इस मौसम में सजा सकते हैं। गुलाब, सफेद और पीले रंग के कनेर के फूल अपने घर में सजा सकते हैं। इसके पौधे और फूलों से कई तरह की दवाईयां भी बनाई जाती हैं।

गोम्फ्रेना

गोम्फ्रेना का फूल जिसे बटन फ्लावर भी कहते हैं इसे आप गर्मियों में अपने घर में लगा सकते हैं। यह लाल, गुलाबी, सफेद और बैंगनी कई रंगों में दिख जाएंगे। इसके अलावा यह एक महीने के बाद सूखना शुरु हो जाते हैं ऐसे में आप कुछ समय के लिए इन्हें घर में लगा सकते हैं।

बोगनविलिया

गर्मियों के मौसम में आप बोगनविलिया का पौधा लगा सकते हैं। यह आपको कई तरह के रंगों में मिल जाएंगे। साथ-साथ में कटिंग करके इस पौधे की ग्रोथ काफी अच्छे से होने लगेगी। इसके अलावा ढाई तीन महीने में यह पौधा अच्छी तरह से बढ़ने लगेगा।

संक्षिप्त

सोना हुआ अब सस्ता, ऑलटाइम हाई के बाद अब कीमत हुई कम

डोनाल्ड ट्रंप ने जब से ट्रैरिफ की घोषणा की है तब से ही वैश्विक बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। बाजार कभी नीचे जाता है तो कभी ऊपर उठता है। निवेशकों के लिए अब भी सोना और चांदी निवेश के लिए पसंदीदा इंवेस्टमेंट है। आंकड़ों के मुताबिक एमसीएक्स गोल्ड की कीमत 19 अप्रैल की सुबह 8 बजे प्रति 10 ग्राम 95,239 रुपये बनी हुई थी। सोने की कीमत में 0.44 फीसदी की कमी आई है, जिससे इसकी कीमत 422 रुपये नीचे गिए गई है। वहीं एमसीएक्स चांदी की कीमत 36 रुपये कम हो गई है। चांदी की कीमत 0.04 प्रतिशत कम होकर प्रति किलो 95,001 रुपये पर पहुंच गई है। इंडियन बुलियन एसोसिएशन की मानें तो 24 कैरेट सोना 95,420 रुपये और 22 कैरेट सोना 87,468 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी की कीमत 95420 रुपये प्रति किलो हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोना प्रति 10 ग्राम 95,080 रुपये पर पहुंच गया है। दिल्ली में एमसीएक्स गोल्ड 95,239 रुपये हो गया है। दिल्ली में चांदी की कीमत 95,080 रुपये प्रति किलो पर हो गई है। मुंबई में सोने की कीमत 95,250 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है और चांदी प्रति किलो 95,001 रुपये पर पहुंच गई है।

हाई के बाद हुई गिरावट

बीते दिनों ही मजबूत गोल्ड की मांग को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची थी। इस दौरान सोने की कीमत 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड को छू गई थी। बुधवार को एक दिन पहले ही 99.9 फीसदी की शुद्धा वाला सोना 1650 रुपये बढ़कर 98100 रुपये प्रति किलो की दर पर पहुंच गया था।

दिल्ली से बेंगलुरु तक बंद हुई ब्लूस्मार्ट कैब की सेवाएं, ओला-ऊबर को मिलेगा बंपर फायदा

इलेक्ट्रॉनिक कैब सर्विस देने वाली कंपनी ब्लूस्मार्ट की सर्विस अब बंद कर दी गई है। दिल्ली से लेकर बेंगलुरु तक कंपनी की सर्विस को रोक दिया गया है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में ग्राहकों को अब ब्लू स्मार्ट कैब की सर्विस नहीं मिल सकेगी। लोन फर्जीवाड़ा मामले में सेबी द्वारा लिए गए एक्शन के बाद कंपनी को अपनी सेवाएं बंद करना पड़ा है। सेवाएं बंद करने को लेकर कंपनी ने कहा कि बुधवार की शाम

से ही कंपनी ने बुकिंग लेना बंद कर दिया है। बुकिंग सर्विस ना लेने का सिलसिला गुरुवार 17 अप्रैल को भी जारी रहा। इस कदम के बाद ब्लूस्मार्ट कैब के ड्राइवरों की नौकरी पर भी तलवार लटकने लगी है। कैब सर्विस बंद होने से लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा है। सोशल मीडिया पर भी इस संबंध में जानकारी लोगों ने शेयर की है। वहीं ब्लूस्मार्ट ने अपने ग्राहकों को भी ईमेल भेजकर सर्विस के बंद होने की जानकारी दी है। इस ईमेल में कंपनी ने लिखा कि अस्थाई तौर पर ब्लूस्मार्ट ऐप की बुकिंग को बंद कर दिया गया है। बता दें कि सेबी ने अक्षय ऊर्जा कंपनी जेनसोल के खिलाफ फॉरेंसिक जांच के आदेश दिए है। इसके दोनों प्रमोटर्स यानी दोनों भाई अनमोल जग्गी व पुनित जग्गी को शेयर बाजार से बैन किया है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक लाभ ओला, ऊपर, रेपिडो और इनड्राइव का हुआ है, जिन्हें ब्लू स्मार्ट की सर्विस बंद होने के बाद नए ग्राहक भी मिलेंगे। ये जानकारी भी मिल रही है कि इसका सबसे अधिक लाभ ऊबर को मिलेगा। निवेशकों की मानें तो कंपनी अपना दबदबा अधिक बढ़ाएगी। कई यूजर्स ने भी ऐसा ही संकेत दिया है। ऊपर के एप्लीकेशन लगभग 50 करोड़ यूजर्स के पास डाउनलोड किए हुए है। वहीं ओला, रैपिडो या डनड्राइव डाउनलोड करने वालों की संख्या लगभग 10 करोड़ के आसपास है।

डोनाल्ड ट्रंप के फैसले से छाई बाजार में रौनक, भारतीय बाजार में हुई 26 लाख करोड़ की कमाई

भारतीय शेयर बाजार में रौनक फिर से लौटने लगी है। इस सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी ने लगभग छह फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। विदेशी निवेशकों की वापसी हुई है। महंगाई दर में कमी आने के कारण और मॉनसून सीजन भी बेहतर होने वाला है। इससे निवेशकों का भरोसा भी बढ़ा है। बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 4,706.05 अंक ऊपर उठा है। सेंसेक्स में 6.37 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। वहीं एनएसई निफ्टी में चार कारोबारी सत्र के दौरान 6.48 फीसदी यानी 1452.5 अंक बढ़ा है। निवेशकों की संपत्ति इस बढ़ोतरी के बाद 25.77 लाख करोड़ रुपये अधिक बढ़ गई है। वहीं बीएसई में लिस्टेड कंपनियों की कुल बाजार पूंजी 419 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई है। बता दें कि शुक्रवार को गुड फ्राइडे होने के कारण शेयर बाजार बंद रहा था। वहीं शनिवार और रविवार को भी शेयर बारजार बंद रहता है। बाजार जानकारों की मानें तो शेयर मार्केट में पॉजिटिव रुझान देखने को मिल रहा है। इसका मुख्य कारण विदेशी निवेश का आना, अमेरिकी ने टैरिफ पर 90 दिनों का ब्रेक लगाया था। आरबीआई ने मौद्रिक नीति में ढील दी थी। इन सभी के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारी अनिश्चितता बनी हुई है। इसके बाद भी इंडियन मार्केट में वापसी हुई है। प्रोविजन एक्सचेंज डेटा की मानें तो बीते दो कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर में लगभग एक बिलियन डॉलर से अधिक का विदेशी निवेश हुआ है। बाजार में ये सकारात्मक संकेत है कि अमेरिकी सरकार की ओर से टैरिफ पर ब्रेक के साथ अन्य देश के साथ संभावित बात का रास्ता खोलने के लिए ट्रंप सरकार का फैसला बाजार को मजबूती दे गया है।

चहल आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है : श्रेयस अय्यर

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने युजवेंद्र चहल को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक करार देते हुए कहा कि उन्होंने इस लेग स्पिनर से निजी बातचीत में रन जाने की चिंता करने के बजाय विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। चहल मौजूदा आईपीएल में शुरू में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन उन्होंने अब अपनी लय हासिल कर ली है। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने रजत पाटीदार और जितेश शर्मा के विकेट लेकर पंजाब की पांच विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई। अय्यर ने मैच के बाद कहा, ''मैंने निजी तौर पर चहल से बात की। मैंने उनसे कहा कि आप मैच विजेता हैं और आपको जितना संभव हो हमारे लिए विकेट हासिल करने हैं। आपको रक्षात्मक रवैया अपनाने की जरूरत नहीं है और आप वापसी करने की क्षमता रखते हो। हम एक लेग स्पिनर के तौर पर उनकी इसी बात के लिए प्रशंसा करते हैं।'' उन्होंने कहा,''वह आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है, शायद आईपीएल में अब तक का सबसे अच्छा गेंदबाज है। आपको हर समय उसका समर्थन करना होगा।'' बारिश से प्रभावित यह मैच प्रति टीम 14 ओवर का कर दिया गया। आरसीबी की टीम में पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 95 रन बनाए। पंजाब ने 12.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया। उसकी तरफ से नेहल वढेरा ने 19 गेंद पर 33 रन की मैच विजेता पारी खेली। अय्यर ने कहा, ''जैसा कि कहा जाता है कि विविधता जीवन में रंग भरती है। हमें भी यहां विभिन्न तरह के मैच का अनुभव मिलता है। यह बहुत

बड़ी चुनौती होती है।'' पंजाब किंग्स के कप्तान ने वढेरा के आक्रामक रवैये की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर आपको एक ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करे। नेहल का रवैया आज शानदार था। उम्मीद है कि आगे भी वह इसी फॉर्म को बरकरार रखेगा।'' आरसीबी के कप्तान पाटीदार ने कहा कि उनके बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''विकेट शुरू में बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल नहीं था लेकिन हम एक बल्लेबाजी इकाई के तौर पर अच्छा प्रदर्शन कर सके। साझेदारी निभाना महत्वपूर्ण था लेकिन हमने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। यह हमारे लिए बहुत बड़ा सबक है।

केएल राहुल आईपीएल में सबसे कम पारियों में 200 छक्के पूरे करने वाले बल्लेबाज, धोनी-कोहली को पछाड़ा

अहमदाबाद। दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने शनिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह आईपीएल में सबसे कम पारियों में 200 छक्के पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया।

केएल राहुल ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड

आईपीएल के मौजूदा सत्र में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते दिख रहे हैं। इससे पहले वह लखनऊ का हिस्सा थे। इस सत्र में उनका बल्ला जमकर गरज रहा है। पिछली छह पारियों में दिग्गज खिलाड़ी ने 266 रन बनाए हैं। इसमें दो अर्धशतकीय पारियां भी शामिल हैं। अब दाएं हाथ के बल्लेबाज ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह आईपीएल में सबसे कम पारियों में 200 छक्के पूरने करने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने यह कारनामा 129 पारियों में किया।

IPL में सबसे तेज 200 छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज

बल्लेबाज	पारियां
केएल राहुल'	129
संजू सैमसन	159
महेंद्र सिंह धोनी	165
विराट कोहली	180

प्रसिद्ध कृष्णा के जाल में फंसे राहुल

गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे केएल राहुल ने 14 गेंदों का सामना किया और चार चौके व एक छक्के की मदद से 28 रन बनाए। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने यॉर्कर गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। दिलचस्प बात यह है कि कृष्णा ने इस सत्र में सिर्फ दो बार यॉर्कर गेंदें फेंकी हैं जिनपर उन्हें विकेट मिले हैं। केएल राहुल से पहले तेज गेंदबाज ने टिम डेविड को पवेलियन की राह दिखाई है। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने इस आईपीएल में पावरप्ले का अपना सबसे बड़ा स्कोर बना लिया। टीम ने शुरुआती छह ओवर में दो विकेट खोकर 73 रन बनाए। इससे पहले टीम ने मुंबई के खिलाफ दिल्ली में खेले गए मुकाबले में 72/1 का स्कोर तैयार किया था।

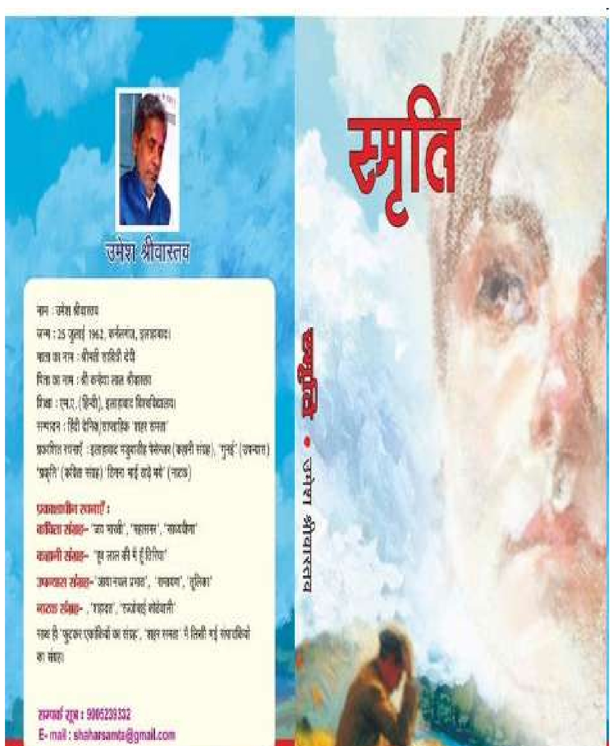

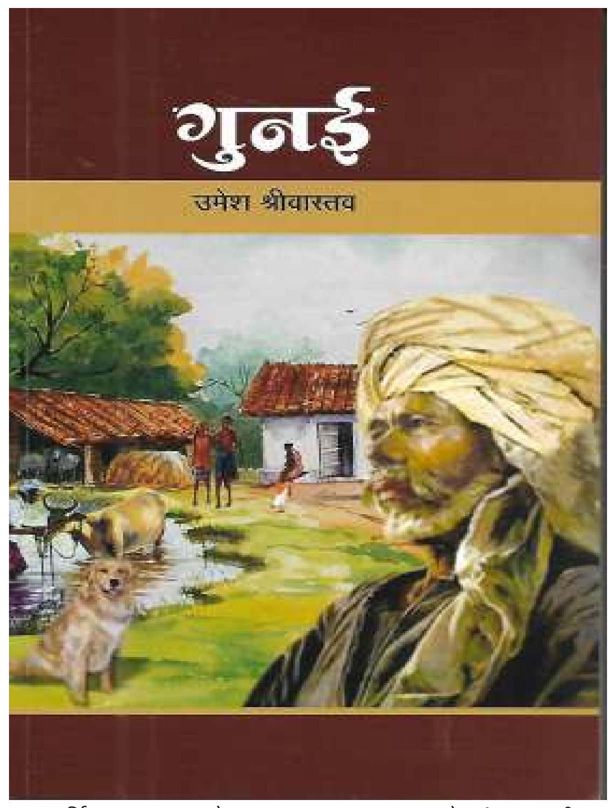

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

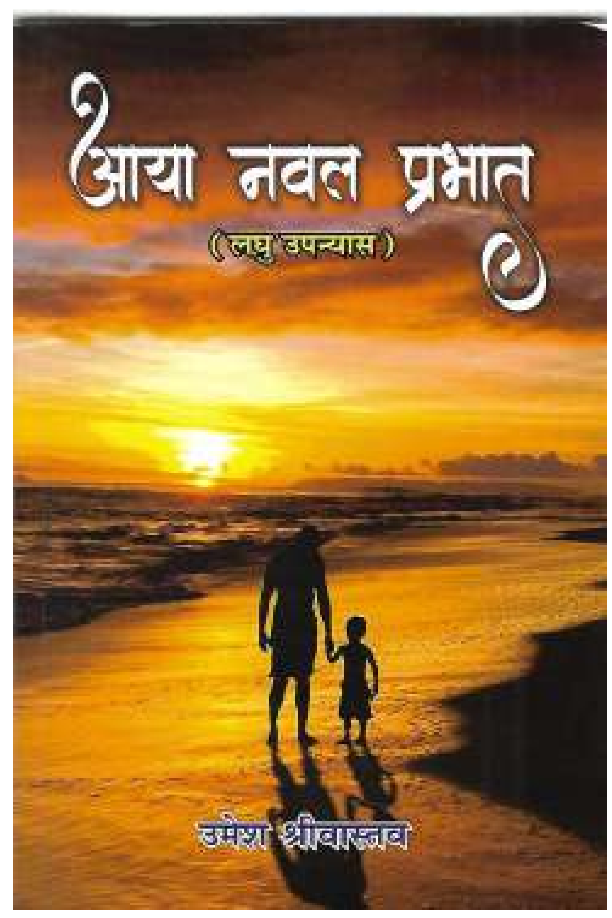

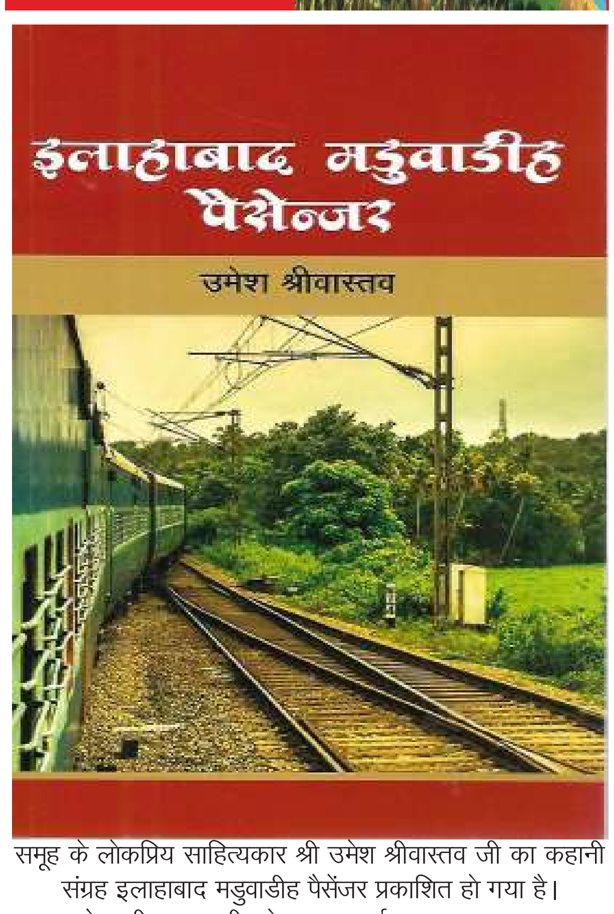

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

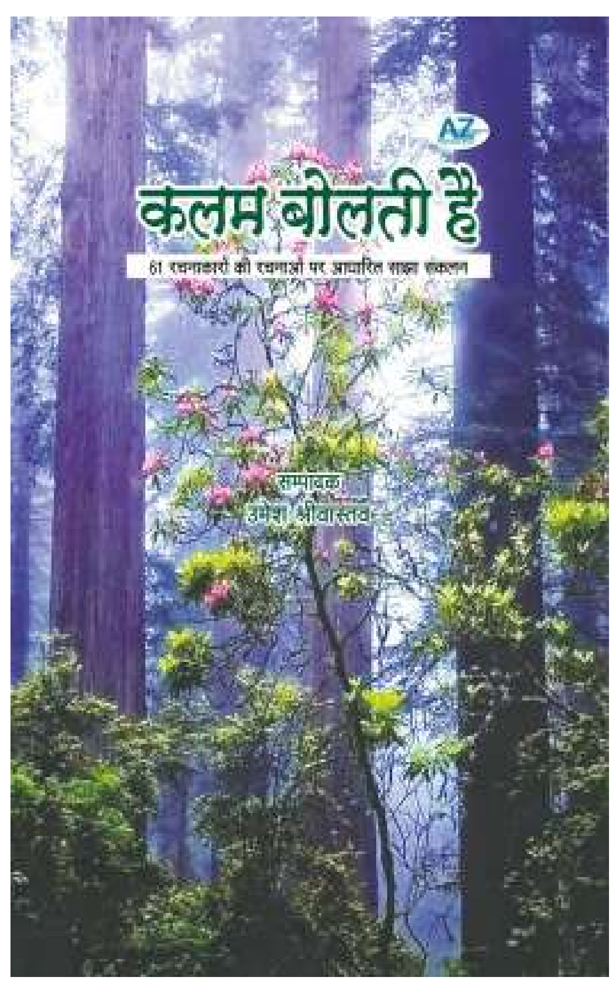

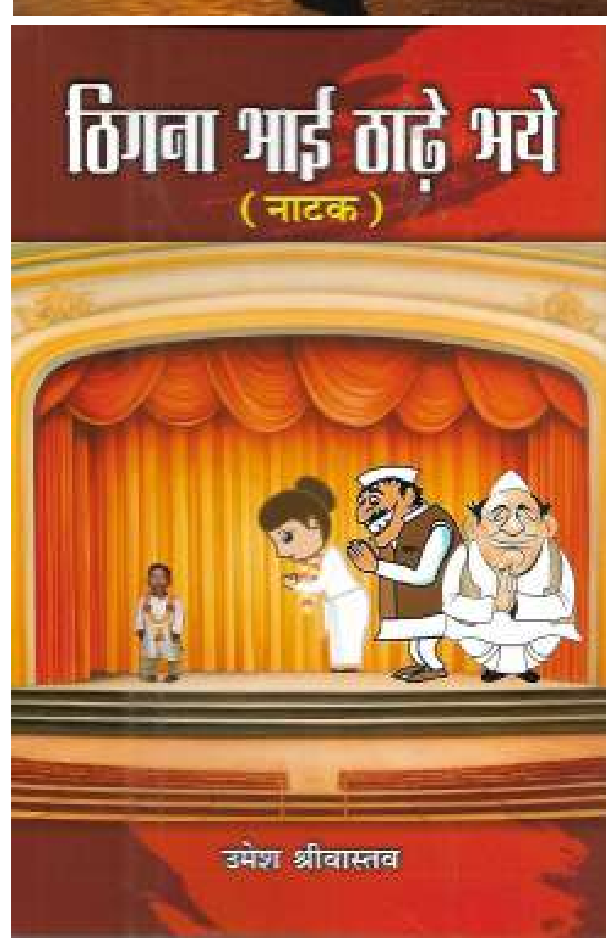

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

फिर से सोंचे...बांग्लादेश जा रहे अमेरिकियों को ट्रंप की चेतावनी

संयुक्त राज्य अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए अपनी यात्रा सलाह पुनः जारी की है, जिसमें सुरक्षा संबंधी बढ़ते खतरों के कारण देश के लिए 'स्तर 3रू यात्रा पर विचार करें' की चेतावनी तथा चटगांव हिल ट्रैक्ट्स क्षेत्र के लिए 'स्तर 4रू यात्रा न करें' की चेतावनी जारी की गई है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने हिंसा, अपराध और अपहरण के उच्च जोखिम का हवाला देते हुए बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स क्षेत्र के लिए स्तर 4 की सलाह जारी की। 18 अप्रैल को

अपडेट की गई सलाह में खगराचारी, रंगमती और बंदरबन जिलों को शामिल किया गया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि इस क्षेत्र में सांप्रदायिक अशांति, आतंकवाद और राजनीतिक हिंसा की घटनाएँ देखी गई हैं, जिसमें प्म्क विस्फोट और सक्रिय गोलीबारी शामिल है। धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने वाले और व्यक्तिगत विवादों से जुड़े अपहरणों की भी रिपोर्ट की गई है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को इस क्षेत्र में जाने से रोक दिया गया है, और यात्रा के लिए बांग्लादेश के गृह मंत्रालय से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है। सलाह में कहा गया है, र्षकिसी भी कारण से इन क्षेत्रों की यात्रा न करें। समय–समय पर समीक्षा के बाद अपडेट की गई इस सलाह में अमेरिकी नागरिकों से नागरिक अशांति, अपराध और आतंकवाद के कारण बांग्लादेश की यात्रा पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया गया है। हालांकि 2024 के मध्य में अंतरिम सरकार के गठन के बाद राजनीतिक अशांति से जुड़ी हिंसा में काफी हद तक कमी आई है, लेकिन अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी दी है कि विरोध प्रदर्शन अभी भी बिना किसी चेतावनी के हिंसक हो सकते हैं। हालांकि विदेशियों को विशेष रूप से लक्षित नहीं माना जाता है, लेकिन परामर्श में कहा गया है कि जेबकतरी, लूटपाट, हमले और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे अपराध प्रमुख शहरों में आम हैं और अक्सर परिस्थितिजन्य होते हैं। अमेरिकी सरकार की नागरिकों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने की क्षमता, विशेष रूप से ढाका के बाहर, बुनियादी ढांचे के मुद्दों और प्रतिबंधित पहुंच के कारण सीमित हो सकती है।

भूकंप के झटकों से थर्राया अफगानिस्तान, रिक्टर पैमाने पर 5.6 रही तीव्रता

अफगानिस्तान में 5.8 तीव्रता का भूकंप आने के बाद दिल्ली–एनसीआर में भी झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप 130 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे पहले 16 अप्रैल को भी अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने बताया कि बुधवार सुबह अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र सहित भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। एनसीएस के अनुसार, भूकंप 75 किलोमीटर की गहराई पर आया। 5.9 तीव्रता का भूकंप गंभीर क्षति पहुंचाने के लिए काफी शक्तिशाली माना जाता है, खासकर भूकंप के केंद्र के पास। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई थी। सोशल मीडिया पर भूकंप के बारे में संदेशों की बाढ़ आ गई, तथा दिल्ली और पड़ोसी क्षेत्रों के लोगों ने भूकंपीय गतिविधि के अपने अनुभव साझा किए। पहले की रिपोर्टों में भूकंप की तीव्रता 6.9 बताई गई थी। हालांकि, बाद में इसमें संशोधन किया गया। 16 अप्रैल को ही क्षिण–पश्चिम ऑस्ट्रेलियाई तट से दूर बुधवार को 6.6 तीव्रता का भूकंप आया, लेकिन सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केन्द्र अल्बानी से 2,069 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम में हिंद महासागर में 10 किलोमीटर की गहराई पर था। संयुक्त ऑस्ट्रेलियाई सुनामी चेतावनी केन्द्र ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया या अंटार्कटिका के लिए सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई।

कांगो में नाव दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 148 हुई

कांगो में इस सप्ताह के शुरुआत में हुई नाव दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 50 से बढ़कर 148 हो गई है तथा 100 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को उत्तर–पश्चिमी कांगो में आग लगने के बाद नाव पलट गई, जिससे कम से कम 148 लोग मारे गए और सैकड़ों लापता हो गए। कांगो नदी में हुए हादसे के बाद दर्जनों लोगों को बचा लिया गया हालांकि इनमें से कई बुरी तरह जल गए। रेड क्रॉस और प्रांतीय अधिकारियों की मदद से बचाव दलों ने बुधवार को लापता लोगों की तलाश शुरू कर दी। नदी आयुक्त कॉम्पेटेंट लोयोको ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि मोटर चालित लकड़ी की नाव में मबंडाका शहर के पास आग लग गई।

भारतीय पर्यटकों को ले जा रही बस नेपाल में दुर्घटनाग्रस्त, 25 लोग घायल

भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही बस नेपाल में दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें कम से कम 25 भारतीय पर्यटक घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कुछ लोगों को इलाज के लिए बलरामपुर के तुलसीपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। उसने बताया कि घटना शुक्रवार को नेपाल के डांग जिले के चिसापानी के पास की है जब भारतीय पर्यटकों को लेकर पोखरा जा रही बस के ब्रेक फेल हो गए जिससे वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

गोलियों से भूना..कनाडा में भारतीय छात्रा की मौत से हड़कंप, तुरंत एक्टिव हुआ महावाणिज्य दूतावास

भारत की एक युवा अंतर्राष्ट्रीय छात्रा की ओंटारियो के हैमिल्टन शहर में गैंगलैंड शैली की गोलीबारी के दौरान मौत हो गई है। हैमिल्टन पुलिस ने पीड़िता की पहचान 21 वर्षीय मोहॉक कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा के रूप में की है। वह काम पर जाने के लिए बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रही थी, तभी उसे गोली लग गई। पुलिस ने बयान में कहा कि जांचकर्ताओं का मानना है कि महिला एक निर्दोष व्यक्ति थी, जो इलाके में गोलीबारी के दौरान चपेट में आ गई। यह घटना गुरुवार शाम लगभग 7.30 बजे घटी, जब पुलिस ने बताया कि वे एक व्यक्ति की हत्या के मामले की जांच कर रहे थे। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि ओंटारियो के हैमिल्टन में भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की मौत की घटना से हम अत्यंत दुखी हैं। अधिकारी ने कहा कि स्थानीय पुलिस के अनुसार, वह निर्दोष थी और दो वाहनों में सवार लोगों के

बीच गोलीबारी की घटना के दौरान एक गोली लगने से उसकी मौत हो गई। हत्या के इस मामले की जांच जारी है। हम उसके परिजन के निकट संपर्क में हैं और उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। हैमिल्टन पुलिस ने एक बयान में बताया कि स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब साढ़े सात बजे उसे हैमिल्टन में अपर जेम्स और साउथ बेंड रोड के पास गोलीबारी की खबर मिली। बयान के अनुसार जब पुलिस वहां पहुंची तो उसे रंधावा घायल अवस्था में मिली जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसकी मौत हो गई। बयान के अनुसार, घटनास्थल के वीडियो के जरिए जांचकर्ताओं ने पता लगाया कि एक काली कार में सवार यात्री ने एक सफेद कार में बैठे लोगों पर गोली चलाई। इसमें बताया कि दोनों वाहन घटनास्थल से फरार हो गए। गोलीबारी की इस घटना के दौरान पास के एक मकान की खिड़की में गोलियां लगी जहां रहने वाले लोग कुछ ही फुट की दूरी पर बैठकर टेलीविजन देख रहे थे। उनमें से कोई घायल नहीं हुआ।

पाकिस्तान में घुसकर बांग्लादेश की धमकी, पैसे दो, हिसाब पूरा करो और माफी मांगों

15 साल के अंतराल के बाद पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान के प्रतिनिधि आपस में मिले तो किस तरह बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दो कूटनीतिक थप्पड़ जड़ दिए। इस मुलाकात में पाकिस्तानी विदेश सचिव आमना बलोच और बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीम उद्दीन से मिली। फिर मोहम्मद यूनुस से भी उनकी मुलाकात हुई। पाकिस्तान ने सोचा था कि बांग्लादेश इस मुलाकात के बाद एंटी इंडिया गतिविधियां शुरू कर देगा। लेकिन जो हुआ वह इसके ठीक उलट है। मुलाकात के बाद बांग्लादेश ने बयान जारी कर कहा कि 1971 की जंग में पाकिस्तानी फौज ने ईस्ट बंगाल के नागरिकों पर कई जुल्म ढाए थे उसकी माफी मांगी जाए। इसके साथ–साथ बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 38250 का मुआवजा भी मांग लिया। यह मुआवजा उन

संपत्तियों की एवज में मांगा गया जो तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान में थी और ढाका में सरेंडर के बाद पाकिस्तान सरकार ने जिन संपत्तियों को जब्त कर लिया था। बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीम उद्दीन ने अपनी पाकिस्तानी समकक्ष आमना बलूच के साथ विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के बाद संवाददाताओं से कहा कि हमने पाकिस्तान के साथ ऐतिहासिक रूप से अनसुलझे मुद्दों को उठाया है। बांग्लादेश ने यह मुद्दा ऐसे समय उठाया है जब पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार 27 को दो दिवसीय दौरे पर ढाका आ रहे हैं। उद्दीन ने संवाददाताओं से कहा कि जिन मुद्दों को उठाया गया है, उनमें यहां फंसे हुए पाकिस्तानियों की वापसी, अविभाजित संपत्तियों का न्यायसंगत बंटवारा, 1970 के चक्रवात के पीड़ितों के लिए भेजी गई विदेशी सहायता राशि का हस्तांतरण और 1971 में तत्कालीन पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार के लिए औपचारिक रूप सेसार्वजनिक माफी शामिल है। 38250 करोड़ में कितने जीरो लगेंगे कंगाली से जूझते पाकिस्तानियों को यह गिनने में भी थोड़ा वक्त लग जाएगा। लेकिन पाकिस्तान पर मुआवजा की यह मांग काफी भारी पड़ सकती है। अपना वजूद बचाने के लिए पाकिस्तान ने आईएमएफ से कर्ज मांगा है। आईएमएफ के बेल आउट की हरी झंडी मिल गई है। आईएमएफ से पहली किश्त में पाकिस्तान को 1.1 बिलियन डॉलर मिलेंगे। दूसरी किश्त में पाकिस्तान को 2.4 बिलियन डॉलर मिलेंगे। दोनों राशियों को मिला भी दिया जाए तो ये बांग्लादेश के मुआवजे यानी साढ़े चार बिलियन डॉलर से कम पड़ेंगे। यानी पाकिस्तान कर्ज लेकर भी मुआवजा चुकाना चाहे तो चुका नहीं सकता।

तुर्की पर लगाया वीटो, संयुक्त राष्ट्र में इस मुस्लिम देश ने भारत का समर्थन करते हुए किया बड़ा खेल

भारत की पहली कूटनीतिक जीत की पहली आवाज दुनिया ने महसूसी की। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद सुधारों को लेकर जो अहम बैठक हुई उसमें मुस्लिम देश कुवैत ने खुलकर भारत का समर्थन कर दिया है। वहीं तुर्की के राष्ट्रपति रिचप तैयब एर्दोगान मुस्लिम देशों को स्थायी सीट देने की बात करते रहे हैं अब उनकी रणनीति पर पानी फिर गया है। इस बार भारत के लिए एक मजबूत बयान संयुक्त राष्ट्र में खुद अंतर सरकारी वार्ता के अध्यक्ष ने भी दे दिया। इस मुद्दे पर विचार पूरी सदस्यता और संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करता है। निसंदेह भारत इसमें एक प्रमुख दावेदार होगा। इसका निर्णय व्यापक सदस्यता द्वारा लिया जाएगा। पिछले वर्ष मुझे अपने सम्मानित सह अध्यक्ष एक्सेल मार्शिक के साथ भारत जानें और वहां उच्च स्तर पर बातचीत करने का अवसर मिला। निश्चित रूप से भारत आज विश्व मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी है। लेकिन ये 193 देशों की सदस्यता वाला संगठन है और विचार सभी के लिए और संयुक्त राष्ट्र की पूरी सदस्यता के लिए प्रतिनिधित्वकारी होना चाहिए। अगर ये निर्णय लिया जाता है कि परिषद का विस्तार 21 से 27 सदस्यों तक किया जाए। तो निश्चित रुप से भारत उसमें एक दावेदार होगा और व्यापार सदस्यता द्वारा लिए गए निर्णय का विषय बनेगा। अगर बात भारत की इस मांग की करें तो भारत दशकों से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग कर रहा है। भारत के साथ ब्राजील, जर्मनी और जापान भी इसी मुहिम में है। जिसे जी–4 ग्रुप कहा जाता है। ये देश मांग कर रहे हैं कि सुरक्षा परिषद में जो पांच स्थायी सदस्य हैं अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस

इनके साथ 21वीं सदी के असली शक्तीशाली देशों को भी स्थायी सीट दी जाए। आज वैश्विक राजनीति का चेहरा बदल चुका है और भारत जैसी उभरती महाशक्ति को नजरअंदाज करना अब संभव नहीं है। कुछ समय पहले तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दोगान ने यूएनजीए में एक मांग रखी थी कि सुरक्षा परिषद में किसी मुस्लिम देश को भी स्थायी सदस्यता दी जानी चाहिए। तुर्किए खुद इसके लिए आगे बढ़ना चाहता था या फिर पाकिस्तान जैसे देश को आगे करना चाहता था। लेकिन भारत ने इस प्रस्ताव को सख्ती से खारिज कर दिया। भारत ने साफ किया स्थायी सदस्यता का आधार धर्म नहीं बल्कि वैश्विक योगदान और सामर्थ्य होना चाहिए। ये भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत थी। जिसने तुर्किए की चाल को उसी वक्त नाकाम कर दिया। अब जरा सोचिए की कुवैत की तरफ से ये बयान ऐसे वक्त में सामने आया है जब खाड़ी देशों से उसके रिश्तें नए आयाम छू रहे हैं।

गाजा में इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम 25 लोग मारे गए

गाजा में शुक्रवार को इजराइली हवाई हमलों में बच्चों सहित कम से कम 25 लोग मारे गए। चिकित्सा कर्मियों ने यह जानकारी दी। उधर इजराइल में अमेरिका के नए राजदूत माइक हकाबी ने यरूशलम में पहली बार सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लिया। नासिर अस्पताल के कर्मियों ने बताया कि दक्षिणी शहर खान यूनिस में तीन हमलों में 15 लोग मारे गए, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है। इंडोनेशिन अस्पताल के चिकित्सा कर्मियों ने बताया कि मृतकों में शामिल 10 लोग जबालिया शरणार्थी शिविर से हैं। इजराइली हमले तेज होने के बाद गाजा में एक दिन पहले कई लोग मारे गए थे। इजराइल में नियुक्त अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी शुक्रवार को 'वेस्टर्न वाल' पहुंचे जो यरूशलम के पुराने शहर में यहूदियों का एक प्रमुख प्रार्थना स्थल है। हकाबी ने दीवार पर एक प्रार्थना पत्र को भी संलग्न किया जिस बारे में उन्होंने बताया कि इसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हाथों से लिखा है। हकाबी ने बताया कि ट्रंप ने उन्हें यरूशलम में शांति के लिए उनके प्रार्थना पत्र को लेकर जाने को कहा था। हकाबी ने यह भी कहा कि हमास की गिरफ्त में मौजूद शेष सभी बंधकों को वापस लाने के लिए हर

कोशिश की जा रही है। गाजा में 18 महीने से जारी युद्ध के महत्वपूर्ण समय में हकाबी का आगमन हुआ है। अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ युद्ध विराम को फिर से पटरी पर लाना चाहते हैं। इजराइल की मांग है कि हमास कोई युद्ध विराम शुरू होने से पहले और भी बंधकों की रिहाई करे और आखिरकार क्षेत्र को खाली करने के लिए सहमत हो। इजराइल ने कहा है कि उसकी योजना गाजा के अंदर बड़े "सुरक्षा क्षेत्रों" पर अपना नियंत्रण स्थापित करने की है। हमास के वार्ता प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख खलील अल–हय्या ने बृहस्पतिवार को कहा था कि समूह ने इजराइल के नवीनतम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने हमास के रुख को दोहराया कि वह और भी फलस्तीनी कैदियों की रिहाई, गाजा से इजराइली सैनिकों की पूर्ण वापसी और एक स्थायी युद्ध विराम के बदले में ही बंधकों को मुक्त करेगा, जैसा कि जनवरी में हुए युद्ध विराम समझौते में कहा गया था। हमास के पास वर्तमान में 59 बंधक हैं और माना जा रहा है कि इनमें से 24 जीवित हैं।

बांग्लादेश में हिंदू नेता को अगवा कर मारा, भड़का भारत, यूनुस सरकार को लगाई फटकार

भारत ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और क्रूर हत्या पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अपनी प्रतिक्रिया में विदेश मंत्रालय ने कहा कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली वर्तमान बांग्लादेश सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का अनुसरण करती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयवाल ने जोर देकर कहा कि इस तरह की पिछली घटनाओं के अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने घटना की निंदा की और अंतरिम सरकार को सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभाने की याद

दिलाई। जायसवाल ने कहा कि हमने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और क्रूर हत्या को व्यथित रूप से देखा है। यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का अनुसरण करती है, जबकि पिछली ऐसी घटनाओं के अपराधी दंड से मुक्त होकर घूमते हैं। हम इस घटना की निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बिना कोई बहाना बनाए या भेदभाव किए, हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी निभाए। बांग्लादेश पूजा उडजापान परिषद की बिराल इकाई के उपाध्यक्ष और इलाके में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता भाबेश चंद्र रॉय को पहले ही अगवा कर लिया गया और पीट–पीटकर उनकी हत्या कर दी गई। पुलिस और परिवार के सदस्यों के हवाले से द डेली स्टार ने बताया कि गुरुवार रात को उनका शव बरामद किया गया। रॉय को शाम करीब साढ़े चार बजे एक फोन आया, जिसके बाद में उन्होंने दावा किया कि अपराधियों ने उनके घर पर होने की पुष्टि करने के लिए ऐसा किया था।

कनाडा के ओंटारियो में गोली लगने से भारतीय छात्रा की मौत

कनाडा में 21 वर्षीय भारतीय छात्रा की गोलीबारी की एक घटना में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। छात्रा काम पर जाने के लिए बस अड्डे पर खड़ी थी और तभी एक कार सवार द्वारा एक अन्य वाहन पर चलाई गई गोली उसे लग गयी जिससे उसकी मौत हो गई। छात्रा की पहचान हरसिमरत रंधावा के रूप में हुई है जो ओंटारियो के हैमिल्टन में मोहॉक कॉलेज की छात्रा थी। हैमिल्टन पुलिस बुधवार को हुई इस घटना की जांच कर रही है। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "ओंटारियो के हैमिल्टन में भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की मौत की घटना से हम अत्यंत दुखी हैं।" अधिकारी ने कहा, "स्थानीय पुलिस के अनुसार, वह निर्दोष थी और दो वाहनों में सवार लोगों के बीच गोलीबारी की घटना के दौरान एक गोली लगने से उसकी मौत हो गई। हत्या के इस मामले की जांच जारी है। हम उसके परिजन के निकट संपर्क में हैं और उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।" हैमिल्टन पुलिस ने एक बयान में बताया कि स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब साढ़े सात बजे उसे हैमिल्टन में अपर जेम्स और साउथ बेंड रोड के पास गोलीबारी की खबर मिली।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।